Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199

भगवान के वस्त्र, श्रृंगार
मूर्तियां एवं समस्त
पूजन सामग्री
संगमरमर व पीतल की
मूर्तियां राशि रत्न
एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में
सुप्रसिद्ध
ज्योतिषाचार्य

माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 14, अंक 196 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, शनिवार 10 मई 2025 | www.samaydarshan.in

2018 में पांच एस-400 ट्रायम्फ स्क्वाड्रन के लिए 35,000 करोड़ रुपए का सौदा हुआ था

मोदी सरकार में भारत की एयर डिफेंस सिस्टम अभेद्य, आक्रामता से कांप रहे दुश्मन

नई दिल्ली (एजेंसी)। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया।

भारतीय सशस्त्र बलों की इस कार्रवाई के बाद से बौखलाए पाकिस्तान ने एलओसी और सीमावर्ती क्षेत्रों में गुरुवार रात को मिसाइलों, ड्रोन और अन्य हथियारों से हमला करने की कोशिश की। लेकिन, भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान के सभी हवाई हमलों को पूरी तरह से नाकाम कर दिया। उनकी एक भी मिसाइल भारतीय क्षेत्र में नहीं गिरी।

कुछ दिन पहले, 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए भारतीय सशस्त्र बलों ने सीमा पार मुख्य आतंकवादी ठिकानों पर लक्षित एवं सटीक हमले किए और उन्हें कुशलतापूर्वक नष्ट कर दिया। इस ऑपरेशन ने दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत न केवल अपने आसमान को सुरक्षित कर रहा है, बल्कि दुश्मन के हवाई क्षेत्र में सटीकता के साथ घुसकर जवाबी हमला करने की क्षमता भी रखता है।

भारत के वायु रक्षा प्रणालियों में सुधार का श्रेय नरेंद्र मोदी सरकार को जाता है, जिसने घटते युद्ध भंडार को समाप्त करके और बेड़े में नए, विश्व स्तरीय शस्त्रागार को शामिल करके सुरक्षा तंत्र को नया रूप देने पर जोर बनाए रखा।

रूसी एस-400 मिसाइल सिस्टम और राफेल जेट पाकिस्तान के हवाई हमले को नाकाम करने में भारत के लिए काफी अहम साबित हुए हैं। दिलचस्प बात यह है कि रूसी एस-400 मिसाइल सिस्टम और राफेल जेट एनडीए सरकार के तहत भारत की रक्षा प्रणाली का हिस्सा बने।

सशस्त्र बलों ने जो तीव्र, समन्वित प्रतिक्रिया दिखाई, वह उनकी वायु रक्षा प्रणालियों के कारण थी, जिसे मोदी सरकार के तहत पिछले 11 वर्षों में कड़ी मेहनत से बनाया गया था।

मानवरहित हवाई प्रणाली (यूएएस) ग्रिड, ट्रायम्फ एयर डिफेंस सिस्टम, बराक-8 मिसाइल, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल और डीआरडीओ की ड्रोन रोधी प्रौद्योगिकियों ने मिलकर एक हवाई कवच तैयार किया, जिसने भारत में सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले के पाकिस्तान के सभी प्रयासों को विफल कर दिया।

जब भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर हमला किया, तो भारतीय सेना ने लाहौर में चीन से सप्लाई की गई एचक्यू-9 वायु रक्षा प्रणाली को नष्ट कर दिया और प्रमुख रडार इंफ्रास्ट्रक्चर को भी नुकसान पहुंचाया।

दरअसल, 2014 से प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने व्यवस्थित रूप से भारत की वायु रक्षा प्रणालियों को उन्नत किया और महत्वपूर्ण रक्षा अधिग्रहण किए हैं। 2018 में पांच एस-400 ट्रायम्फ स्क्वाड्रन के लिए 35,000 करोड़ रुपए का सौदा हुआ था। तीन स्क्वाड्रन अब चीन और पाकिस्तान की सीमाओं पर तैनात हैं।

2017 में भारत को इजरायल के साथ 2.5 बिलियन डॉलर के सौदे के तहत बराक-8 मीडियम-रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल (एमआर-एसएएम) मिली थी। वे अब बठिंडा जैसे फ्रंटलाइन ठिकानों की रखवाली कर रहे हैं।

स्वदेशी आकाश मिसाइल बैटरियों और डीआरडीओ द्वारा विकसित काउंटर-ड्रोन सिस्टम को शामिल करने से अधिक गोला-बारूद मिला। वहीं, 2024 में सेना द्वारा शत्रुतापूर्ण यूएवी को जाम करने और निष्क्रिय करने के लिए मैन पोर्टेबल काउंटर ड्रोन सिस्टम (एमपीसीडीएस) स्थापित किए गए थे।

2021 में आत्मघाती ड्रोन का ऑर्डर दिया गया था और अब इनका निर्माण भारत में किया जा रहा है। इन ड्रोन ने विभिन्न सेक्टरों में एक साथ, सटीक हमले किए, जिससे पाकिस्तान की सुरक्षा पूरी तरह से फेल हो गई।

इसके अतिरिक्त, इजरायली मूल के हारोप ड्रोन, जो अब स्थानीय रूप से निर्मित हैं, जिसे कराची और लाहौर में वायु रक्षा परिसंपत्तियों को निशाना बनाने और नष्ट करने के लिए तैनात किया गया था।

आईएएस-पीसीएस अधिकारियों की सभी छुट्टियां रद्द

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के मद्देनज़र, पंजाब सरकार ने एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक फैसला लिया है। राज्य सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा और प्रांतीय सिविल सेवा के अधिकारियों की पहले से स्वीकृत सभी छुट्टियों को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है।

कार्मिक विभाग (आईएएस शाखा) द्वारा 9 मई, 2025 को इस संबंध में एक अत्यंत ज़रूरी निर्देश जारी किया गया है। इस निर्देश में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पंजाब के मुख्य सचिव की स्पष्ट अनुमति के बिना किसी भी अधिकारी को किसी भी प्रकार की छुट्टी लेने या अपने स्टेशन मुख्यालय को छोड़ने की अनुमति नहीं होगी। सरकार ने इस निर्देश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए चेतावनी भी जारी की है। निर्देश में कहा गया है कि इस आदेश का उल्लंघन करने वाले किसी भी अधिकारी के खिलाफ संबंधित नियमों के तहत उचित और सख्त कार्रवाई की जा सकती है।

निधनः भुवनलाल चंद्राकर

दुर्ग (समय दर्शन)। सुनील न्यूज एजेंसी के संचालक भूवनलाल चंद्राकर (75 वर्ष) का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार को हरनाबांधा मुक्तिधाम में किया गया। वे सुनील चंद्राकर, संजय चंद्राकर के पिताजी एवं योगेन्द्र चंद्राकर, विवेक चंद्राकर के दादाजी थे। इनके अंतिम संस्कार पर जिले के न्यूज एजेंसी संचालक सहित शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

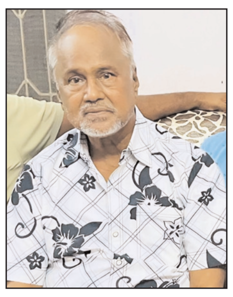

रक्षा अभियानों की लाइव कवरेज पर रोक, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने शुक्रवार को सभी मीडिया चैनलों को रक्षा अभियानों की लाइव कवरेज को लेकर एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की गतिविधियों की लाइव कवरेज से बचने की हिदायत दी है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने आदेश में कहा है, सभी मीडिया चैनलों को रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की आवाजाही के लाइव कवरेज को दिखाने से परहेज करने की सलाह दी जाती है। राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में सभी मीडिया प्लेटफॉर्म, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया यूजर्स से अनुरोध है कि वे रक्षा और अन्य सुरक्षा संबंधी अभियानों की रिपोर्टिंग करते समय अत्यंत जिम्मेदारी बरतें और मौजूदा कानूनों व नियमों का सख्ती से पालन करें। उन्होंने आगे बताया, विशेष रूप से रक्षा अभियानों या सुरक्षा बलों की गतिविधियों से संबंधित रीयल-टाइम कवरेज, विजुअल का प्रसार या सूत्र आधारित जानकारी की रिपोर्टिंग नहीं की जानी चाहिए।

लाल किला और कुतुब मीनार के बाहर अतिरिक्त बलों की तैनाती

दिल्ली की ऐतिहासिक इमारतों की बढ़ाई गई सुरक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बाद देश भर में सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ा दिया गया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की ऐतिहासिक इमारतों की सुरक्षा दिल्ली पुलिस ने बढ़ाई है।

जानकारी के अनुसार, दिल्ली पुलिस ने लाल किला और कुतुब मीनार के पास सुरक्षा में इजाफा करते हुए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की है। पुलिस के मुताबिक, एहतियातन सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई है, और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जा रही है।

दिल्ली पुलिस के अनुसार, आमतौर पर ऐतिहासिक इमारतों के बाहर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहती है, लेकिन बॉर्डर पर तनाव देखते हुए दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में भी सुरक्षा को और बढ़ाया गया है।

बता दें कि दिल्ली की ऐतिहासिक इमारतों को देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं और इसी के चलते दिल्ली पुलिस की तरफ से एहतियात के तौर पर यह कदम उठाया गया है। भारतीय सेना के अधिकारियों ने कहा कि पाकिस्तान सशस्त्र बलों ने 8 और 9 मई की मध्यरात्रि को पूरे पश्चिमी सीमा पर ड्रोन और अन्य

हथियारों का उपयोग करके कई हमले किए।

पाकिस्तानी सैनिकों ने जम्मू और कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर कई बार संघर्ष विराम उल्लंघन (सीएफवी) का भी सहारा लिया।

भारतीय सेना ने एक बयान में कहा कि ड्रोन हमलों को प्रभावी ढंग से खदेड़ दिया गया और सीएफवी को मुंहतोड़ जवाब दिया गया। भारतीय सेना राष्ट्र की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

भारतीय सेना ने कहा कि सभी नापाक इरादों का बलपूर्वक जवाब दिया जाएगा। भारत ने गुरुवार रात को जम्मू, पठानकोट, उधमपुर और कुछ अन्य स्थानों पर सैन्य स्टेशनों पर हमला करने की पाकिस्तानी सेना की कोशिश को नाकाम कर दिया।

नई दिल्ली की जवाबी कार्रवाई में न केवल ड्रोन और मिसाइलें नष्ट हुई, बल्कि इस्लामाबाद के एयरबॉर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम विमान को भी मार गिराया गया, जो पाकिस्तान की हवाई निगरानी और युद्धक्षेत्र समन्वय क्षमताओं के लिए एक बड़ा झटका है।

'राष्ट्रहित सर्वोपरि है', आईपीएल स्थगित करने पर बीसीसीआई की प्रतिक्रिया

सशस्त्र बलों को किया सलाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल 2025 सत्र को एक सप्ताह के लिए स्थगित करने पर प्रतिक्रिया दी है। बीसीसीआई ने शुक्रवार को भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए आईपीएल के मौजूदा सत्र को एक सप्ताह के लिए स्थहित किया था। बीसीसीआई का कहना है कि जब देश आतंकी हमले का जवाब देने के साथ सरहद पार से अनुचित आक्रमण का सामना कर रहा है, ऐसे में राष्ट्रहित सर्वोपरि है।

आईपीएल के मौजूदा सत्र में अभी 16 मैच शेष थे जिन्हें 10 या 12 दिनों के विंडो में पूरा कराया जा सकता है।

बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने बयान में कहा, बीसीसीआई ने आईपीएल 2025 के शेष सत्र को एक सप्ताह के लिए तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया है। आने वाले दिनों में संबंधित अधिकारियों और हितधारकों के साथ हालात की व्यापक समीक्षा करने के बाद नए कार्यक्रम और टूर्नामेंट के आयोजन स्थल की घोषणा की जाएगी।

आईपीएल 2025 का फाइनल मुकाबला तय कार्यक्रम के अनुसार 25 मई को कोलकाता में खेला जाना था। बोर्ड बाकी 16 मैचों को सही समय पर कराने की कोशिश करेगा जिसमें 12 ग्रुप चरण और चार प्लेऑफ के मैच शामिल हैं। ऐसी अटकलें हैं कि सितंबर महीने में होने वाला एशिया कप रद्द किया जाता है तो यह एक विकल्प हो सकता है। बीसीसीआई ने कहा, इस कठिन समय में बीसीसीआई देश के साथ खड़ा है। हम भारत सरकार, सशस्त्र बलों और देश के लोगों के प्रति एकजुटता व्यक्त करते हैं।

पटियाला हाउस कोर्ट में तहव्वुर राणा की पेशी, छह जून तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली (एजेंसी)। 26/11 मुंबई हमलों के कथित मास्टरमाइंड और आरोपी तहव्वुर राणा को आज पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने 6 जून 2025 तक न्यायिक हिरासत में बढ़ाई है। इसके बाद तहव्वुर राणा को तिहाड़ भेजा गया है। राणा को हाल ही में अमेरिका से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया था।

बड़े खुलासे की उम्मीद

कोर्ट ने अपने आदेश में एनआईए को निर्देश दिया कि राणा की हर 24 घंटे में मेडिकल जांच की जाए और उसे हर दूसरे दिन अपने वकील से मिलने की अनुमति दी जाए। राणा को एनआईए मुख्यालय के हाई-सिक्योरिटी सेल में रखा गया है, जहां 24 घंटे सीसीटीवी और सुरक्षाकर्मियों की निगरानी में है। एनआईए की पूछताछ में राणा से उसके पाकिस्तानी हैंडलर, फंडिंग के स्रोत, और संभावित स्लीपर सेल नेटवर्क के बारे में सवाल पूछे जा रहे हैं। जांच एजेंसी को शक है कि राणा का पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से भी गहरा संबंध था। एनआईए ने कोर्ट में कहा कि अगर उसे पूछताछ के लिए अधिक समय मिलेगा तो इस मामले में बड़े खुलासे हो सकते हैं।

सुरक्षा के रहे कड़े इंतजाम

तहव्वुर राणा की पेशी के दौरान पटियाला हाउस कोर्ट के बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। सुनवाई के दौरान केवल अधिकारी और मामले से जुड़े अधिवक्ता ही कोर्टरूम में दाखिल हुए। जबकि मीडिया कर्मियों को भी कोर्टरूम से बाहर ही रखा गया। दोपहर दो बजे के बाद राणा को अदालत में पेश किया गया जहां उसका चेहरा ढ़का हुआ था। मुंबई आतंकी हमलों के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा को अमेरिका से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया। राणा को लेकर दिल्ली पहुंची राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष टीम में तीन अधिकारियों का सबसे अहम रोल रहा। जिन अधिकारियों ने राणा को अमेरिका से भारत लाने में अहम भूमिका निभाई है, उसमें 1997 बैच के झारखंड कैडर के आईपीएस आशीष बत्रा, छत्तीसगढ़ कैडर के आईपीएस अधिकारी प्रभात कुमार के अलावा झारखंड कैडर की महिला आईपीएस जया रॉय शामिल हैं।

उच्च न्यायालय के आदेश की अवमानना से नाराज

सुप्रीम कोर्ट ने डिप्टी कलेक्टर को तहसीलदार बनाने का दिया आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्च न्यायालय के आदेश की अवमानना करने से नाराज सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश सरकार के एक अधिकारी को पदावनत करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश सरकार को निर्देश दिया कि उच्च न्यायालय के आदेश की अवमानना करने वाले डिप्टी कलेक्टर को पदावनत कर तहसीलदार के पद पर नियुक्ति करें।

'अदालत के आदेश की अवहेलना कानून के शासन की नींव पर हमला'

दरअसल उच्च न्यायालय ने आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में झोपड़ियां न हटाने का निर्देश दिया था, लेकिन अधिकारी ने उच्च न्यायालय के आदेश की अवहेलना की। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश की अवहेलना करने पर कड़ी नाराजगी जताई। पीठ ने कहा कि प्रत्येक अधिकारी, चाहे

वो कितने भी ऊंचे पद पर क्यों न हो, वह अदालत द्वारा पारित आदेशों का सम्मान करने के लिए बाध्य हैं। पीठ ने कहा कि न्यायालय के आदेश की अवहेलना कानून के शासन की उस नींव पर हमला है, जिस पर हमारा लोकतंत्र आधारित है।

पीठ ने कहा, 'हालांकि हम नरम रुख अपनाते हैं, लेकिन सभी को यह संदेश दिया जाना चाहिए कि कोई भी व्यक्ति, चाहे वह कितना भी ऊंचा क्यों न हो, कानून से ऊपर नहीं है।' शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के उस आदेश की पुष्टि की, जिसमें अधिकारी को उच्च न्यायालय के आदेश की जानबूझकर और पूरी तरह से अवज्ञा करने का दोषी पाया गया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारी को दो महीने जेल की सजा सुनाने वाले उच्च न्यायालय के आदेश को संशोधित किया। पीठ ने कहा, 'हम सजा को संशोधित कर रहे हैं और याचिकाकर्ता को उसकी सेवा के पदानुक्रम में एक स्तर की कमी करने की सजा सुनाई जाती है।'

अधिकारी पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया

गौरतलब है कि जिस अधिकारी को पदावनत करने का आदेश दिया गया है, उन्हें साल 2023 में तहसीलदार पद से ही डिप्टी कलेक्टर पद पर पदोन्नति दी गई थी। पीठ ने अधिकारी पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाने का भी आदेश दिया है। न्यायमूर्ति गवई ने आदेश देते हुए कहा, 'हम चाहते हैं कि पूरे देश में यह संदेश जाए कि अदालत के आदेश की अवमानना को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।' बता दें कि जिन अधिकारी को पदावनत किया गया है, उन्होंने ही उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।

पाकिस्तान अब अपने वजूद के लिए संघर्ष करता दिखाई देगा : सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी और गुरु गोविंद सिंह जैसे वीर योद्धाओं को नमन किया। साथ ही पाकिस्तान को आतंकवाद पर घेरते हुए कहा कि उसने इतनी बड़ी हिमाकत कर दी है कि अब वह अपने वजूद के लिए संघर्ष करता दिखाई देगा। पाकिस्तान का आतंकवादी चेहरा अब दुनिया के सामने बेनकाब हो चुका है।

उन्होंने 22 अप्रैल को पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा भारतीय पर्यटकों के साथ की गई बर्बरता का जिक्र करते हुए कहा कि इस घटना के बाद हर भारतवासी ने पाकिस्तान को सबक सिखाने की ठान ली थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी तीनों सेनाओं ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। आज पाकिस्तान दुनिया में अलग-थलग पड़ चुका है और कराहता हुआ नजर आ रहा है।

सीएम योगी ने पाकिस्तान के बेशर्मी पूर्ण रवैये पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि भारत की कार्रवाई में मारे गए आतंकवादियों के जनाजे में पाकिस्तान के शीर्ष सैन्य अधिकारियों और राजनीतिज्ञों की मौजूदगी दुनिया की आंखें खोलने वाली है। यह साबित करता है कि पाकिस्तान न केवल आतंकवादियों को संरक्षण देता है, बल्कि सीधे तौर पर आतंकवाद में शामिल भी है। अब पाकिस्तान अपने वजूद के लिए जूझ रहा है।

उन्होंने देशवासियों से अपील की कि वे भारतीय सेनाओं का मनोबल बढ़ाएं और सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों से सावधान रहें। उन्होंने कहा कि हर भारतवासी की जिम्मेदारी है कि हम अपनी सेनाओं के साथ खड़े हों और शरारतपूर्ण कार्रवाइयों को बेनकाब करें। केंद्रीय नेतृत्व के मार्गदर्शन में हमें एकजुट होकर कार्य करना है। सीएम योगी ने जोर देकर कहा कि भारत हर हाल में विजयी है और रहेगा।

भारत-पाक के बीच तनाव का असर

ध्यान दें! इंडिगो ने श्रीनगर, अमृतसर समेत कई शहरों के लिए कैंसिल की उड़ान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव का असर कुछ उड़ानों पर भी पड़ा है। इंडिगो ने अपनी कई फ्लाइट्स रद्द कर दी हैं। एयरलाइंस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए एडवाइजरी जारी की है। इसमें बताया गया है कि कई शहरों के लिए उड़ानें 10 मई तक रद्द कर दी गई हैं। ट्रैवल एडवाइजरी में कहा है, आपकी सुरक्षा और संरक्षा हमारी प्राथमिकता है। वर्तमान स्थिति के कारण, श्रीनगर, जम्मू, अमृतसर, लेह, चंडीगढ़, धर्मशाला, बीकानेर, जोधपुर, किशनगढ़ और राजकोट के लिए सभी उड़ानें 10 मई 2025 तक 23¬59 बजे तक रद्द हैं। हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं और सभी प्राधिकरणों के साथ समन्वय बनाए हुए हैं। हम आपको आधिकारिक तौर पर अपडेट देते रहेंगे। साथ ही आपकी यात्रा योजना में हर संभव मदद करने को तैयार हैं। आपकी समझदारी और धैर्य के लिए धन्यवाद।

इंडिगो ने अपने एक्स अकाउंट पर रिफंड के लिए एक लिंक भी शेयर किया है। उन्होंने लिखा, आपकी सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। निम्नलिखित शहरों के लिए उड़ानें 10 मई तक 23¬59 बजे तक रद्द हैं। हम आपकी यात्रा को आसान बनाने के लिए हैं। उड़ान की स्थिति को लिंक पर जाकर देखें और री-बुकिंग या रिफंड के लिए संपर्क करें। इससे पहले, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एडवाइजरी जारी कर सूचित किया है कि भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए अगले आदेश तक देश के 24 हवाई अड्डों को नागरिक उड़ान परिचालन के लिए अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। बढ़ते खतरे के जवाब में, कई भारतीय एयरलाइंस ने यात्रा संबंधी एडवाइजरी भी जारी की, जिसमें यात्रियों से सिक्योरिटी चेक को देखते हुए अतिरिक्त समय देने और बढ़ी हुई सुरक्षा जांच में सहयोग करने का आग्रह किया गया है। मंत्रालय ने बंद होने की अवधि या इस कदम के पीछे के कारणों को स्पष्ट नहीं किया। हवाई अड्डों को बंद करना एक व्यापक सुरक्षा प्रोटोकॉल का हिस्सा है, जिसमें कई प्रभावित हवाई अड्डे अंतरराष्ट्रीय सीमा के करीब या रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में स्थित हैं।

संक्षिप्त समाचार

टोंगोपानी मे एक युवक की लाश मिलने से फैली सनसनी

बागबाहरा(समय दर्शन)। छत्तीसगढ जिले के कोमाखान थाना क्षेत्र के ग्राम टोंगोपानी में एक युवक की लाश पाई गई है। युवक की लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी।

कैसी विडंबना है कि, आज के युवा पीढ़ी की लाश इस तरह से पाया जाना अनेक बातों की ओर संदेह करते है। इतनी बेदर्दी से कोई कैसे मार सकता है। कही न कही इसके पीछे कुछ राज छुपा है।इस राज के खुलने तक कई लोगों के तोते उड़ने वाले है। लाश के चेहरे पर टेप लपेट दिया गया है। लाश देखकर ही या अंदाजा लगाया जा रहा है कि, युवक की हत्या कर लाश को ग्राम टोंगोपानी के क्षेत्र में फेंक दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही कोमाखान पुलिस की टीम घटनास्थल पहुंच गई है। समाचार लिखे जाने तक मृत युवक की अभी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस दल के साथ फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई है।

दुर्गेश को समाधान शिविर से मिली राहत, जीर्णोद्धार स्थिति में थी ऋण पुस्तिका

दुर्ग (समय दर्शन)। ग्राम बोरीगारका निवासी कृषक दुर्गेश वर्षों से अपनी भूमि के कागजात को लेकर असमंजस में रहे। दुर्गेश के लिए समाधान शिविर किसी वरदान से कम नहीं रहा। दुर्गेश की ऋण पुस्तिका जीर्णोद्धार स्थिति में थी, पुराने दस्तावेज धुंधले पड़ चुके थे और समय पर नवीनीकरण न होने से वह किसी भी वित्तीय सहायता या कृषि ऋण के लिए पात्र नहीं हो पा रहे थे।

दुर्गेश ने समाधान शिविर में अपनी समस्या रखी, जहां विभागीय अधिकारी नायब तहसीलदार श्रीमती क्षमा यदु ने तुरंत संज्ञान लेते हुए दस्तावेजों की जांच की। प्रक्रिया को प्राथमिकता में लेते हुए उनकी पुरानी, क्षतिग्रस्त ऋण पुस्तिका का नवीनीकरण कर एक नई पुस्तिका जारी की गई। नई ऋण पुस्तिका मिलने के साथ ही दुर्गेश अब बैंक से कृषि ऋण लेने में सक्षम हो गए हैं। दुर्गेश ने कहा कि समाधान शिविर ने मेरी सबसे बड़ी परेशानी खत्म कर दी। शिविर में कई ग्रामीणों को ऐसी ही राहत मिली।

जिले के प्रभारी सचिव के पहल पर श्रमिक कार्ड नवीनीकरण पंजीयन हेतु पोर्टल प्रारंभ

दुर्ग (समय दर्शन)। जिले में सुशासन तिहार 2025 के अंतर्गत 08 मई 2025 को धमधा विकसखण्ड के ग्राम गोढ़ी में समाधान शिविर आयोजित की गई। सुशासन तिहार के प्रथम चरण में क्षेत्र की जनता से प्राप्त आवेदनों के निराकरण की जानकारी देने आयोजित इस शिविर में जिले के प्रभारी सचिव श्री सुब्रत साहु भी शिरकत किए। उन्होंने विभागीय स्टॉलों का अवलोकन कर आवेदनों के निराकरण के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली। श्रम विभाग के निरीक्षण के दौरान श्रम कार्ड ऑनलाईन नवीनीकरण कराने पहुंचे श्रमिकों ने प्रभारी सचिव श्री साहू को अवगत कराया कि उनके श्रमिक कार्ड का ऑनलाईन पंजीयन नहीं हो रहा हैं। श्रम पदाधिकारी ने इस संबंध में जानकारी दी कि श्रम कार्ड की वैधता पांच वर्ष की रहती हैं, वैधता समाप्ति के पश्चात् एक वर्ष के अंतर्गत नवीनीकरण हेतु विभागीय पोर्टल में आवेदन किया जाना होता हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात् आवेदन स्वीकार नहीं होता हैं। प्रभारी सचिव श्री साहू ने वैधता समाप्त हुए श्रमिक कार्डों के नवीनीकरण के संबंध में मौके पर श्रम विभाग के सचिव से चर्चा की। चर्चा उपरांत छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा वर्ष 2008 से 2024 तक की समस्त आवेदन की नवीनीकरण की व्यवस्था पोर्टल में प्रारंभ कर दी गई हैं। श्रम पदाधिकारी ने बताया कि समाधान शिविर गोढ़ी में आवेदक गोविंद राम पिता स्व. हजारी लाल ग्राम बागडूमर के पांच वर्ष पहले वाले श्रमिक कार्ड आवेदन का नवीनीकरण किया गया हैं। साथ ही आवेदक को प्रिंट कार्ड उपलब्ध कराया गया। इसके अलावा शिविर में श्रम कार्ड हेतु प्राप्त पांच श्रमिकों का आवेदन ऑनलाईन कराकर कार्ड जारी किया गया हैं। जिसमें मुकेश कुमार पिता रामखिलावन ग्राम गोढ़ी, दीपक कुमार सोनी पिता रामजी सोनी ग्राम बागडूमर, कुसूम साहू पति जीतू साहू ग्राम कपसदा, किरण पति ओमप्रकाश ग्राम बिरेभाठ एवं आशीष कुमार दीडे पिता विजय कुमार ग्राम बागडूमर शामिल हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जिला अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

मरीजों से किए आत्मीय संवाद

मुयमंत्री ने किडनी पीड़ित अतुल चंद्राकर से कहा इलाज हम कराएंगे

महासमुन्द(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सुशासन तिहार के तृतीय चरण के तहत जिला महासमुंद के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने महासमुंद पहुचंकर जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया और मरीजों से मुलाक़ात कर उनका हालचाल जाना। इस अवसर पर खाद्य एवं जिले के प्रभारी मंत्री दयाल दास बघेल, सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, महासमुंद विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने यहां मेल वार्ड में भर्ती मरीजों से सीधे बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने मरीजों को बेहतर इलाज और सुविधाएं उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। निरीक्षण के दौरान वे मेल वार्ड में भर्ती 60 वर्षीय मरीज गंगाराम से भी मिले और उनकी तबीयत के बारे में जानकारी ली। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि वे कमजोरी के कारण अस्पताल में भर्ती हुए थे,लेकिन चार दिन के उपचार के पश्चात अब बेहतर महसूस कर रहा हूं। उन्होंने यहां की व्यवस्था,उपचार और चिकित्सकों के व्यवहार की भी सराहना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने डायलिसिस वार्ड में किडनी पीड़ित मरीजों से मुलाक़ात की और उनके इलाज व स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने किडनी पीड़ित मरीज अतुल चंद्राकर से आत्मीयता के साथ बातचीत की और उनके स्वास्थ्य की कुशलक्षेम पूछा। जब अतुल चंद्राकर ने किडनी ट्रांसप्लांट के संबंध में मदद मांगी तो मुख्यमंत्री ने कहा कि डोनर की व्यवस्था होने के बाद सारा खर्च हम उठाएंगे।उन्होंने भरती सभी 6 मरीजों से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिए कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं दी जाएं और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता दे रही है और प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण इलाज मिलना चाहिए।

सेजस् मर्रा में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं का एसएमडीसी के अध्यक्ष एवं सदस्यों ने घर जाकर किया सम्मान

पाटन (समय दर्शन)। सेजस मर्रा के दसवीं एवं बारहवीं का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा शाला के छात्र छात्राओं ने अपने प्रतिभा और ज्ञान का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यायल का और अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया जिसमें कक्षा दसवीं में हिंदी मीडियम में कुमारी मेघा निषाद (बेलौदी) पिता जितेंद्र कुमार निषाद 88 प्रतिशत और अंग्रेजी मीडियम में निखिल साहू (मटंग) पिता मनोज साहू 83 प्रतिशत प्राप्त कर विद्यालय में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किये हैं। कक्षा बारहवीं में हिंदी मीडियम में कला संकाय से अभिनव कुमार यदु (मर्रा) पिता विक्रम सिंह यदु 89 प्रतिशत, कृषि संकाय से कुमारी सुरुचि (मर्रा) पिता अरुण कुमार कोसरे 86 प्रतिशत एवं गणित संकाय से कुमारी हिमानी वर्मा (सोरम) पिता राजेश वर्मा 85 प्रतिशत ने उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किए हैं। सभी छात्र छात्राओं के परिणाम जारी होने के उपरांत शाला विकास समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों ने प्रवीण्य सूची में स्थान पाने वाले सभी छात्राओं के घर जाकर छात्राओं तथा उनके अभिभावकों से मुलाकात कर बधाई प्रेषित किए जिसमें प्रमुख रूप से शाला विकास समिति के अध्यक्ष खिलेश (वासु) वर्मा , एसएमडीसी सदस्य एवं गाड़ाडीह उपसरपंच टोपेन्द्र वर्मा, लालाराम वर्मा, होरीलाल वर्मा, पुष्पेंद्र बंछोर, महेश लहरी, परमेश्वर यादव, गोपीचंद धरमगुड़ी इत्यादि सभी उपस्थित रहे।

तेंदूपत्ता तोड़ने गये ग्रामीण को भालुओं ने बुरी तरह से नोचा

गंभीर अवस्था मे महासमुन्द में भर्ती किया गया

सरायपाली(समय दर्शन)। सरायपाली वन क्षेत्र के जंगलों में तेंदूपत्ता तोड़ने का काम प्रारम्भ है। अपनी आजीविका चलाने ग्रामीण जन खतरा मोल लेकर समीप के जंगलों में तेंदूपत्ता तोड़ने जाते हैं जहां जंगली जानवरों से उनका कई बार आमने सामने भी हो जाता है। कुछ लोग जान बचाकर भागने में सफल हो जाते है तो कुछ दुर्भाग्यशाली ग्रामीण इनके हमलों के शिकार बन जाते हैं।

इसी तरह ग्राम अमलीडीह निवासी दशरथ तेंदूपत्ता तोड़ते समय जंगली भालुओं का शिकार बन गया। भालुओं ने दशरथ को सिर को जहां बुरी तरह नोच दिया है तो वही एक आंख भी निकल गया है। गभीर अवस्था मे उसे महासमुन्द के सोयम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है जहाँ उसका उपचार चल रहा है।

ग्राम अमलीडीह निवासी दशरथ सेठ जो कि गांव में ही छोटी किराना दुकान चलाता है। पत्नी, माँ व दो बेटों के साथ वह दुकानदारी के साथ पास के ही जंगल मे तेंदूपत्ता भी तोड़ने जाता है। खोखेपुर के जंगलों में बुधु घाटी के पास तेंदूपत्ता तोड़ते समय अचानक 3 भालुओं ने दशरथ पर हमला कर दिया। दशरथ को बुरी तरह से नोचते हुवे सिर का ऊपरी हिस्सा, गर्दन व एक आंख को नोचकर निकाल दिया है तो वही एक हांथ बुरी तरह तोड़ दिए है। गंभीर रूप से घायल दशरथ को महासमुन्द के सोयम अस्पताल में भर्ती किया गया है। इस संबंध में सरायपाली रेंजर प्रत्यूष ताण्डे ने बताया कि प्रकरण बनाया गया है।

मुख्यमंत्री साय ने 13वें ज्योतिर्लिंग धाम महाऔघड़ेश्वर ज्योतिर्लिंग पहुंचकर विधिवत पूजा - अर्चना की

गरियाबंद (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 13 वें ज्योतिर्लिंग धाम महाऔघड़ेश्वर ज्योतिर्लिंग, महाऔघड़ेश्वर ज्योतिर्लिंग धाम अघोरमठ, ग्राम बिहावझोला मड़ेली में पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किये और प्रदेशवासियों के लिए सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान राजिम विधायक रोहित साहू, श्रीधाम सुमेरू मठ रायपुर के अघोर पीठाधीश रूद्रानंद प्रचण्ड वेग उपस्थित थे। प्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र महाऔघड़ेश्वर ज्योतिर्लिंग विराजमान भगवान शिव 13वें ज्योतिर्लिंग के रूप में प्रसिद्ध है।

सूखे कुएं में गिरा कोटरी,वन विभाग और ग्रामीणों की सूझबूझ से सकुशल बचाया गया

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के नहरगांव में उस वक्त हलचल मच गई जब एक हिरन प्रजाति का वन्यप्राणी कोटरी सूखे कुएं में गिरा हुआ मिला।घटना की सूचना ग्रामीणों के द्वारा मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के सहयोग से कोटरी को सुरक्षित बाहर निकाला गया।मिली जानकारी के अनुसार,जिला मुख्यालय से लगभग चार किलोमीटर दूर स्थित ग्राम नहरगांव निवासी चैतराम के खेत के पास एक पुराना और सूखा कुआं है।शुक्रवार सुबह ग्रामीणों ने देखा कि एक कोटरी उस कुएं में गिरा हुआ है।तुरंत इसकी सूचना गरियाबंद वन विभाग को दी गई।वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामवासियों के सहयोग से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया।गनीमत यह रही कि कुआं पूरी तरह सूखा था,जिससे कोटरी को कोई चोट नहीं आई।हालांकि,उसे बाहर निकालने में टीम को काफी मशक्कत जरूर करनी पड़ी।लगातार प्रयास के बाद कोटरी को सकुशल कुएं से बाहर निकाल लिया गया।वन विभाग के अनुसार,कोटरी की हालत ठीक है लेकिन इंसानी संपर्क और कुएं में गिरने के डर की वजह से कोटरी का शारीरिक तापमान 108 पहुंच गया था जिसके वजह से कोटरी को गरियबंद वन विभाग लाकर इलाज कराते हुए वही रखा है,उक्त वन्यप्राणी का स्वास्थ सामान्य होते ही उसे पुनः जंगल में छोड़ा जायेगा।

शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निराकरण के लिए निर्देश, अनुपस्थित अधिकारी को नोटिस

ग्राम गोढ़ी में आयोजित समाधान शिविर का जिले के प्रभारी सचिव सुब्रत साहू ने किया निरीक्षण

सरकार का लक्ष्य हर गरीब का हो पक्का मकानः विधायक कोर्सेवाड़ा

कलेटर सिंह ने एकैच गोठ, एकैच बानी, बूंद-बूंद बचाओ पानी थीम के साथ जनता को जल संरक्षण की शपथ दिलाई

दुर्ग(समय दर्शन)। सुशासन तिहार 2025 के अंतर्गत आयोजित समाधान शिविर में आज जिले के प्रभारी सचिव श्री सुब्रत साहू ने जनपद पंचायत धमधा के ग्राम पंचायत गोढ़ी स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पहुंचकर शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर स्थल पर सभी विभागों द्वारा लगाए गए विभागीय स्टॉलों का व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण किया और विभागवार प्राप्त आवेदनों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान श्री साहू ने मांग एवं शिकायतों की संख्या, उनके निराकरण की स्थिति तथा लंबित आवेदनों की स्थिति की गहराई से समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे आवेदनों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिन प्रकरणों में निराकरण से आवेदक संतुष्ट नहीं हैं, उनकी पुनः गंभीरता से जांच कर संतोषजनक समाधान किया जाए। शिविर के दौरान क्रेडा विभाग का सहायक अभियंता अनुपस्थित पाए जाने पर श्री साहू ने नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारी को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

समाधान शिविर में अहिवारा विधायक श्री डोमनलाल कोर्सेवाडा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध और पारदर्शी समाधान हो रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार का लक्ष्य हर गरीब को पक्का मकान, महिलाओं को महतारी वंदन योजना के तहत सहायता और किसानों से धान खरीदी सुनिश्चित करना है। विधायक ने बताया कि ग्राम गोड़ी में अपेक्षाकृत कम समस्याएं व मांगे सामने आई हैं, जो प्रशासनिक सक्रियता का प्रमाण है।

कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री की पहल पर शुरू किए गए इस अभियान से अब लोग बिना कार्यालयों के चक्कर लगाए, घर बैठे अपनी शिकायतें और मांगें दर्ज करा पा रहे हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि प्रथम चरण में 8 से 11 मई तक जनप्रतिनिधियों और विभागीय अधिकारियों के माध्यम से आम जनता से आवेदन लिए गए। द्वितीय चरण में इन आवेदनों को पोर्टल पर अपलोड कर विभागीय निराकरण की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। शिकायतों की जांच कर नियमानुसार कार्यवाही की गई है। जिन मामलों में संसाधन और बजट उपलब्ध था, वहां तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित की गई है, जबकि अन्य मामलों में बजट स्वीकृति की प्रतीक्षा की जा रही है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिला प्रशासन जनता की समस्याओं का समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करेगा। जल संरक्षण के लिए जागरूकता अभियान की शुरुआत 6 मई से 15 जून तक की गई है। इस अवसर पर कलेक्टर श्री सिंह ने एकैच गोठ, एकैच बानी, बूंद-बूंद बचाओ पानी थीम के साथ जनता को जल संरक्षण की शपथ दिलाई। ज़िले के ग्राम पंचायत गोढ़ी में आयोजित समाधान शिविर में विभिन्न पंचायतों अछोटी, अहेरी, अकोला, बगडूमर, बीरभाट, बोरसी, ढौर, गोंढ़ी कपसदा, लहंगा, मालपूरीकला, मालपूरीखुर्द, ओटेबांध से कुल 2871 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 2803 समस्याओं का निराकरण कर दिया गया, जबकि 68 आवेदन लंबित हैं। शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा छह माह पूर्ण कर चुके शिशुओं को अन्नप्राशन कीट वितरित किए गए। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित दुर्ग द्वारा दो हितग्राहियों को नकद ऋण प्रदान किया गया। खाद्य विभाग द्वारा 9 हितग्राहियों को राशन कार्ड, राजस्व विभाग द्वारा 4 हितग्राहियों को ऋण पुस्तिका, 3 हितग्राही को नक्शा बटांकन और 5 हितग्राही को जाति प्रमाण पत्र प्रदान किए। मनरेगा के अंतर्गत 16 हितग्राहियों को जॉब कार्ड और 8 हितग्राहयों को प्रधानमंत्री आवास स्वीकृति प्रमाण पत्र दिए गए। मत्स्य विभाग द्वारा जय बुढ़ादेव महुआ सहकारी समिति को 30 हजार रूपए का जाल और जय मां शक्ति महुआ सहकारी समिति बोरसी को 6 हजार रूपए का आइस बॉक्स प्रदान किया गया। सभी विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग में प्राप्त आवेदनों की स्थिति से अवगत कराया।

सार समाचार

लगातार तीसरे वर्ष कक्षा 10वीं में प्रदेश टॉपर जशपुर से

रायपुर। जशपुर जिले के 14 विद्यार्थियों ने कक्षा दसवीं बोर्ड परीक्षा और कक्षा बारहवीं बोर्ड परीक्षा में एक विद्यार्थी ने प्रवीण्य सूची में स्थान बनाकर जिले को गौरवान्वित किया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर जिले के विद्यार्थियों के शानदार परीक्षा परिणाम पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों के पालकों, संकल्प संस्थान और जशपुर के सभी शिक्षकों को भी बधाई दी है। प्रदेश में 10 वीं प्रावीण्य सूची मे स्थान बनाने वाले जिलों में लगातार तीसरे वर्ष जशपुर जिला अव्वल रहा है। राज्य की प्रावीण्य सूची में सम्मिलित विद्यार्थियों मे 11 संकल्प जशपुर, 01 संकल्प पत्थलगांव, 01 स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम जशपुर, 01 प्रयास आवासीय विद्यालय जशपुर से हैं। कक्षा 10 वीं में 99.17 प्रतिशत् के साथ संकल्प जशपुर के नमन खुंटिया ने पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। पत्थलगांव शहर के रहने वाले नमन के पिता अर्जुन यादव दुकान चलाते हैं। उनके पिता और माता श्रीमती हरावती यादव ने बेटे की इस उपलब्धि पर बहुत प्रसन्न है। इस वर्ष कक्षा 10 वीं बोर्ड परीक्षा में इन विद्यार्थियों ने प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त किया है- संकल्प जशपुर से 99.17 प्रतिशत के साथ नमन खुंटिया ने प्रथम स्थान, टीपेश प्रसाद यादव 98.83 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान, युवराज पैंकरा 98.50 प्रतिशत के साथ पांचवा स्थान, 98.17 प्रतिशत के साथ पुर्णिमा पैंकरा सातवां स्थान, 98 प्रतिशत के साथ संयुक्त रूप से अंकित कुमार यादव, हर्षिता सिंह, जितेंद्र बंजारे, पूजा चौहान ने आठवां स्थान, 97.83 प्रतिशत के साथ संयुक्त रूप से करिना टोप्पो, रितु कुर्रे ने सातवां स्थान, 97.67 प्रतिशत के साथ माही डनसेना ने दसवां स्थान, संकल्प पत्थलगांव से संजना पैकरा ने 98 प्रतिशत के साथ आठवां स्थान, सेजेस अंग्रेजी माध्यम जशपुर से 98.17 प्रतिशत के साथ सेजेज अंग्रेजी माध्यम जशपुर से अनुष्का सिंह ने सातवां स्थान, प्रयास आवासीय विद्यालय जशपुर से स्तुति पांडेय ने 98 प्रतिशत के साथ आठवां संजना पर स्थान प्राप्त किया हैं। कक्षा 12 वीं में डीपीएस जशपुर से 98.70 प्रतिशत के साथ पूरे प्रदेश में पांचवा स्थान प्राप्त किया हैं। पहाडी कोरवा समुदाय से आने वाले संकल्प जशपुर के छात्र अंबीराज पहाड़िया ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है। विद्यार्थियों की इस सफलता पर संकल्प जशपुर के प्राचार्य विनोद कुमार गुप्ता, यशस्वी जशपुर के संजीव शर्मा सहित सभी शिक्षकों ने बच्चों को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

नवविवाहिताओं को भी मिलेगा महतारी वंदन योजना का लाभ : मुख्यमंत्री

माथमौर में महुआ पेड़ की छांव तले लगी सीएम की चौपाल

रायपुर(समय दर्शन)। सुशासन तिहार के तीसरे चरण के अंतर्गत मुख्यमंत्री साय गुरुवार को मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के ग्राम माथमौर पहुंचे। बिना किसी पूर्व सूचना के जब मुख्यमंत्री माथमौर गांव पहुंचे, तो गांव में उत्साह की लहर दौड़ गई। अचानक पहुंचे मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए ग्रामीणों ने आस-पास लगे फूलों से सुन्दर गुलदस्ता तैयार कर उनका आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने गांव के बीच स्थित महुआ के पेड़ के नीचे चौपाल लगाई और वहां मौजूद ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। ग्रामीणों से शासकीय योजनाओं के लाभ की जानकारी लेते हुए कहा कि, नई बहुओं को भी जल्द महतारी वंदन योजना का लाभ मिलेगा। वहीं ग्राम सरपंचों को पीएम आवास के लिए पात्र परिवारों की सूची बनाकर भेजने के लिए कहा। मुख्यमंत्री ने चौपाल की शुरुआत भारत माता और छत्तीसगढ़ महतारी के जयकारों के साथ की। उन्होंने गांव के सरपंच को अपने पास बिठाया और पंचायत में विकास कार्यों एवं जनहित की योजनाओं के क्रियान्वयन तथा समस्याओं की विस्तार से जानकारी ली। मुख्यमंत्री के आगमान की खबर पाकर आसपास के कोलियारी और कुवांरपुर पंचायत के साथ निकट के कई ग्रामों से भी बड़ी संख्या में ग्रामीण माथमौर पहुंचे थे, जिन्होंने अपनी समस्याएं और मांगें मुख्यमंत्री के सामने रखीं। चौपाल में मुख्यमंत्री साय ने राशन दुकान संचालन, महतारी वंदन योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना की स्थिति पर ग्रामीणों से फीडबैक लिया। उन्होंने महिलाओं से पूछा कि, क्या उन्हें हर माह हजार रुपये की राशि समय पर मिल रही है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जिन नवविवाहित महिलाओं की पात्रता बनती है, उन्हें भी जल्द महतारी वंदन योजना का लाभ मिलेगा। जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी सच्चाई जानने के साथ ही मुख्यमंत्री साय ने माथमौर और उसके आसपास के गांवों के लिए कई बड़ी घोषणाएं भी कीं। उन्होंने कुवांरपुर में 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र की स्थापना की घोषणा की।

रसूखदार कैदियों से तंग आकर सेंट्रल जेल अधीक्षक बदले गये

नये अधीक्षक योगेश क्षत्रिय ने संभाला कार्यभार

रायपुर(समय दर्शन)। सेंट्रल जेल रायपुर इस समय व्हीआईपी कैदियों का अड्डा बना हुआ है जिसमें कई आईएएस अफसर विधायक एवं रसूखदार आरोपियों का जलवा है। जिसके चलते अब जेल अधीक्षक को काम करना मुश्किल हो गया है। अमित शांडिल्य जो की अधीक्षक के पद पर कार्यरत थे उन्होंने राजनीतिक दखलंदाजी के चलते अपना स्थानांतरण जेल मुख्यालय करा लिया है यहां पर योगेश क्षत्रिय को नया जेल अधीक्षक बनाया गया है। सेंट्रल जेल रायपुर में इस समय ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ईओडब्ल्यू तथा सीबीआई द्वारा पकड़े गये सफेद पोश नौकरशाह एवं रसूखदार नेता जेल की हवा खा रहे हैं। इन नेताओं से मिलने के लिए बड़े राजनेता आ रहे है तथा नौकरशाहों को सुविधा दिलाने के नाम पर आए दिन वरिष्ठ अधिकारियों के फोन आते रहते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री की ओएसडी रही सौम्या चौरसिया पूर्व कलेक्टर रानू साहू आईएएस समीर बिश्नोई अनिल टूटेजा, पीएससी के पूर्व चेयरमैन टामनसिंह सोनवानी एवं विधायक कवासी लखमा इस समय विभिन्न आरोपों में जेल के अंदर है। इन व्हीआईपी कैदियों को सुविधा दिलाने के लिए जेल अधीक्षक पर निरंतर दबाव बनाया जाता है। सौम्या चौरसिया को तो कांग्रेस शासन काल में सभी सुविधाएं प्रदान की गई थी जो कि अब समाप्त कर दी गई है। कोयला घोटाले के किंग पिन सूर्यकांत तिवारी को भी समाप्त नहीं मिल रही है वहीं चावल घोटाले में मार्कफेड के अधिकारी अंदर है। पीएमएलए के तहत शराब घोटाले में अनिल टूटेजा पर कई आरोप लगाए गये हैं ये रसूखदार कैदी घर से खाना एवं अन्य सुविधाएं मांग रहे हैं। जेल के अंदर फाइव स्टार की सुविधाएं चाहते हैं। इसके चलते जेल अधीक्षक पर दबाव बढ़ते जा रहा है।रायपुर जेल में इस समय गांजा, चरस एवं शराब की आपूर्ति को लेकर भी दबाव बना हुआ है कई खुफियात अधिकारी जेल के अंदर है आए दिन मारपीट तथा अन्य घटनाएं होते रहती है जिसके कारण जेल अधीक्षक परेशान हो गये हैं। वर्तमान जेल अधीक्षक अमित शांडिल्य ने अपना स्थानांतरण जेल मुख्यालय करवा लिया है अब योगेश क्षत्रिय ने नये जेल अधीक्षक होंगे।

एक ही दिन में 16 प्रकरणों पर निर्णय

6 प्रकरणों पर जाति होगा मान्य, 4 प्रकरणों पर जाति प्रमाण पत्र होगा अमान्य

रायपुर(समय दर्शन)। आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय छानबीन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जाति प्रमाण पत्र, के शिकायत एवं जांच हेतु 16 प्रकरण रखें गए थे। इनमें 11 प्रकरण पर सुनवाई के लिए एवं 5 प्रकरण विचार विमर्श के लिए रखा गया था। इनमें से 6 प्रकरणों में विजीलेंस जांच समिति द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन एवं संबंधित पक्ष द्वारा समक्ष बयान के पश्चात पात्र पाए जाने पर उनके जाति प्रमाण पत्र को मान्यता देने का निर्णय लिया गया है। बैठक में सुनवाई के लिए रखे गए 11 प्रकरणों में से 4 प्रकरणों में विजीलेंस के जांच प्रतिवेदन एवं संबंधितों के समक्ष प्रस्तुतीकरण व बार-बार सुनवाई के लिए अवसर प्रदान करने के बाद भी उपस्थित नही होने पर इन प्रकरणों को खारिज कर दिया गया है। सुनवाई के लिए एक प्रकरण में विजीलेंस जांच प्रतिवेदन नहीं होने पर विजीलेंस टीम को जांच करने के निर्देश दिए गए है तथा शेष अन्य प्रकरणों को सुनवाई हेतु संबंधितों को उपस्थित होने एक और अवसर प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। बैठक में आदिम जाति विकास विभाग के आयुक्त डॉ सारांश मित्तर, आदिवासी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के संचालक जगदीश कुमार सोनकर, संचालक भू-अभिलेख विनित नंदनवार, संचालक लोक शिक्षण ऋतुराज रघुवंशी, अनुसंधान अधिकारी रमा उइके, डॉ अनिल विरूलकर सहित विजीलेंस टीम के गायत्री नेताम, ईश्वर साहू, जयभगत पटेल उपस्थित थे।

बस्तर में नहीं चलाया जा रहा संकल्प नक्सल ऑपरेशन- विजय शर्मा

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री विजय शर्मा ने बताया है कि समाचार माध्यमों में यह कहा जा रहा है कि छत्तीसगढ़ तेलंगाना बॉर्डर पर बीजापुर में संकल्प नाम का अभियान चलाया जा रहा है। ये भी कहा जा रहा है कि संकल्प नाम का अभियान पूरा हो गया है। अभियान में 22 नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। ये सभी जानकारी गलत है। उन्होंने कहा, संकल्प नामक कोई नक्सल ऑपरेशन नहीं चलाया जा रहा है, ये भ्रामक है। ऑपरेशन संकल्प का गृह मंत्री ने किया खंडन- विजय शर्मा ने कहा, मैं इस बात का पूर्णत: खंडन करता हूं कि संकल्प नाम का कोई भी अभियान छत्तीसगढ़ की पुलिस अथवा संयुक्त टीम चला रही है। इसके माध्यम से होने वाली बाकी बातों की जानकारी भी गलत है, इसमें जो 22 नक्सलियों के शव बरामद होने का आंकड़ा दिया गया है यह आंकड़ा भी सही नहीं है। आंकड़े से पृथक भी बहुत सारी बातें हैं। उन्होंने कहा, करेंगुट्टा की पहाड़ पर जो भी ऑपरेशन चलाया जा रहा है, इस ऑपरेशन को जवानों की भुजाओं की ताकत पर चलाया जा रहा है। ये जब पूरा हो जाएगा उसके बाद पूरी जानकारी दी जाएगी। संकल्प नाम का कोई नक्सल ऑपरेशन नहीं चलाया जा रहा है।

आपात स्थिति से निपटने के लिए राजभवन में मॉकड्रिल

रायपुर(समय दर्शन)। राजभवन परिसर में गुरुवार को आपात स्थितियों से निपटने की तैयारियों के तहत मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। यह अभ्यास राज्यपाल रमेन डेका के निर्देश पर आयोजित किया गया, जिसमें सुरक्षा, चिकित्सा, विद्युत, अग्निशमन और आपदा प्रबंधन से जुड़ी इकाइयों ने भाग लिया। मॉकड्रिल से पहले नगर सेनानी पुष्पराज सिंह ने राजभवन के अधिकारियों और कर्मचारियों को आपातकालीन प्रक्रियाओं की जानकारी दी। उन्हें बताया गया कि आपदा की सूचना के लिए 1 मिनट का सायरन बजेगा, स्थिति सामान्य होने पर 3 मिनट का सायरन बजेगा। हमले या आग लगने की स्थिति में 112 नंबर डायल कर फायर ब्रिगेड, मेडिकल और एसडीआरएफ को बुलाया जाएगा। इस दौरान कर्मचारियों को आग लगने, भवन के ध्वस्त होने और हमले की स्थिति में सुरक्षित स्थान पर जाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। मॉकड्रिल के दौरान राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना, विधिक सलाहकार भीष्म प्रसाद पाण्डेय, राजभवन के समस्त अधिकारी-कर्मचारी, एवं एसडीआरएफ की टीम मौजूद रही। सभी ने आपात परिस्थितियों में त्वरित और संयमित प्रतिक्रिया देना सुनिश्चित करने के लिए मॉक अभ्यास में सक्रिय भागीदारी निभाई। यह मॉकड्रिल राजभवन की आपदा प्रबंधन तैयारियों को परखने और सभी संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम रहा।

सऊदी अरब के विदेश राज्य मंत्री आदिल अल-जुबैर ने नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की।

प्रदेश के दिव्यांगों को आसान किश्तों पर दिया जाएगा ऋण - कांवड़ियां

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य दिव्यांगजन एवं वित्त आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष लोकेश कांवड़ियां ने बताया कि राज्य में नये सिरे से दिव्यांगजनों का सर्वेक्षण कराया जाएगा। दिव्यांगों की सुविधा के लिए जीई रोड के किनारे पुराने आरडीए कार्यालय में आयोग का कार्यालय शीघ्र प्रारंभ हो जाएगा। छत्तीसगढ़ राज्य दिव्यांगजन एवं वित्त आयोग के लोकेश कांवड़ियां ने बताया कि राज्य शासन द्वारा दिव्यांगों को आसान किश्तों पर ऋण देने के लिए आयोग का गठन किया गया है। वर्तमान में साढ़े सात लाख दिव्यांग है। जिनका नये सिरे से सर्वेक्षण किया जाएगा। एक अनुमान के अनुसार करीब 12 लाख दिव्यांग पूरे प्रदेश में है। इन दिव्यांगों को आसान किश्तो पर ऋण दिया जाएगा तथा समय पर ऋण पटाने वालों को 25 प्रतिशत की सब्सिडी प्रदान की जाएगी। केंद्र सरकार द्वारा बनाई गई जनहित कारी योजनाओं का लाभ भी दिया जाएगा ताकि मोदी के सपने साकार हो सके। कांवड़ियें ने बताया कि राज्य में छत्तीसगढ़ राज्य दिव्यांगजन एवं वित्त आयोग का नया कार्यालय जीई रोड के किनारे बजरंग मंदिर के पास पुराना आरडीए कार्यालय में आयोग का नया कार्यालय शुरू हो जाएगा। जहां पर यह कार्यालय दस दिन के अंदर तैयार हो जाएगा। जिसमें सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएगी। लोकेश कावड़ियां पूर्ववर्ती मप्र में वरिष्ठ नेता रहे कुशाभाऊ ठाकरे के काफी करीबी थे।

सुशासन त्यौहार : मुख्यमंत्री ने छिंदिया गांव में चौपाल लगाकर ग्रामीणों से किया संवाद

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री साय ने गुरुवार को कोरिया जिले के बैकुंठपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत छिंदिया में सुशासन तिहार के अवसर पर आकस्मिक दौरा कर ग्रामीणों से आत्मीय भेंट की। मुख्यमंत्री का हेलिकॉप्टर जब अचानक गांव के प्राथमिक शाला परिसर में उतरा तो यह दृश्य देखकर ग्रामीणों में आश्चर्य और उत्साह का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने पारंपरिक रूप से स्थानीय फूलों और पत्तियों से बने गुलदस्तों से उनका आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री साय ने विद्यालय परिसर में स्थित कोसम पेड़ की छांव में चौपाल लगाई, जहां उन्होंने भारत माता की जय के उद्घोष के साथ सभा की शुरुआत की और उपस्थित ग्रामीणों से आत्मीय संवाद स्थापित किया। उन्होंने सुशासन तिहार के मूल उद्देश्य को रेखांकित करते हुए यह स्पष्ट किया कि यह त्योहार शासन को जनमानस के और अधिक निकट लाने का माध्यम है, ताकि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना, महतारी वंदन योजना जैसी प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी और इन योजनाओं के प्रभाव को लेकर ग्रामीणों से फीडबैक भी प्राप्त किया। चौपाल में ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के समक्ष विभिन्न स्थानीय समस्याएं एवं आवश्यकताओं को साझा किया, जिन्हें गंभीरतापूर्वक सुनते हुए मुख्यमंत्री ने अनेक घोषणाएं कीं। उन्होंने छिंदिया गांव में उप स्वास्थ्य केंद्र भवन के निर्माण की घोषणा की ताकि ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ हो सकें। साथ ही गांव में दो सीसी सड़कों के निर्माण, एक सामुदायिक भवन के निर्माण तथा वार्ड क्रमांक 17 में पुलिया निर्माण की स्वीकृति भी तत्काल प्रदान की। मुख्यमंत्री ने यह विश्वास दिलाया कि सरकार प्रदेश के हर कोने में विकास और सेवा की भावना के साथ कार्य कर रही है और कोई भी गांव या व्यक्ति शासन की योजनाओं से वंचित न रहे, इसके लिए वे स्वयं जमीनी स्तर पर उतरकर स्थिति का जायजा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की प्राथमिकता ग्रामीण अंचलों तक सुशासन की पहुंच सुनिश्चित करना है। गांवों के चौपालों में बैठकर समस्याओं को सुनना और मौके पर ही समाधान करना, यह हमारी सुशासन की सरकार का हिस्सा है। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे शासन की योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लें और स्वयं जागरूक होकर अन्य ग्रामीणों को भी प्रेरित करें। मुख्यमंत्री साय के इस अप्रत्याशित दौरे में अपने बीच पाकर काफी खुश थे। ग्रामीणों ने आत्मीय मुलाकात के लिए मुख्यमंत्री का हृदय से आभार व्यक्त किया और कहा कि यह पहली बार है जब राज्य का कोई मुख्यमंत्री सीधे उनके गांव पहुंचकर बिना औपचारिकता के खाट पर बैठकर उनकी बात सुनने आया है। इस पहल ने शासन और जनमानस के बीच की दूरी को कम किया है और लोगों के मन में सरकार के प्रति विश्वास को और सुदृढ़ किया है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह प्रदेश को देंगे साढ़े तीन लाख पीएम आवास की सौगात- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर(समय दर्शन)। सुशासन तिहार के चौथे दिन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सूरजपुर के लिए सिविल लाइन हेलीपैड से रवाना हुए, इस दौरान पत्रकारों से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा, सुशासन तिहार 2025 के तीसरे चरण का आज चौथा दिन है। जनचौपाल लगाकर जनता से संवाद कर समस्या का समाधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा, पीएम आवास की मांग सबसे %यादा आ रही है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान 13 मई को प्रदेश को साढ़े तीन लाख पीएम आवास की सौगात देने वाले हैं, जिससे आवास की मांगों की पूर्ति हो जाएगी। सीएम साय ने कहा, सुशासन तिहार में कई तरह की मांगें आ रही है। प्रधानमंत्री आवास, गैस कनेक्शन समेत अन्य मांगें शामिल हैं। उन्होंने कहा, 13 मई को केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान छत्तीसगढ़ दौरा में आ रहे हैं। वे सूरजपुर के अंबिकापुर में बड़ी आमसभा करेंगे। प्रदेश को साढ़े तीन लाख पीएम आवास की सौगात मिलेगी, जिससे आवास की मांगों की पूर्ति हो जाएगी।

संपादकीय

आतंकवाद कोई साधारण अपराध नहीं

यह समझ तो अब दुनिया भर में है कि आतंकवाद कोई साधारण अपराध नहीं है। बल्कि इसके जरिए आतंकवाद के संरक्षक अपने रणनीतिक उद्देश्य हासिल करना चाहते हैं। सीमा पार से संचालित भारत विरोधी आतंकवाद भी इससे अलग नहीं है। सेना नेतृत्व और सैन्य कमांडरों को सीमा उल्लंघन के मामलों में कार्रवाई की पूरी छूट देना कोई नया फैसला नहीं है। नरेंद्र मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से यह आम जानकारी रही है कि अब सेना के हाथ बंधे हुए नहीं हैं। पहलगाम आतंकवादी हमले की पृष्ठभूमि में मंगलवार को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई सर्वोच्च स्तर की बैठक के जो एलान हुआ, उसे उपरोक्त निर्णय की ही फिर से पुष्टि माना जाएगा। बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा- 'जवाबी कार्रवाई के तरीके, लक्ष्य और समय तय करने के मामले में सशस्त्र बलों को कदम उठाने संबंधी पूरी स्वतंत्रता है।' इससे संदेश ग्रहण किया जा सकता है कि जवाबी कार्रवाई स्थानीय स्तर पर होगी और यह आतंकवादियों या उनके ठिकानों पर केंद्रित होगी। यह कार्रवाई कब और कहां हो, यह मौके पर तैनात कमांडर तय करेंगे। इसका अर्थ यह निकलता है कि पाकिस्तान के खिलाफ व्यापक युद्ध की संभावना फिलहाल नहीं है। जबकि 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद से ऐसी अटकलें रही हैं कि इस बार पाकिस्तान को कड़ा सबक सिखाया जाएगा। पहले सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट पर हमले जैसी स्थानीय जवाबी कार्रवाइयां हुई हैं, लेकिन उनसे सीमा पार से संचालित आतंकवाद खत्म करने में कामयाबी नहीं मिली है। जब तक आतंकवाद को संरक्षण एवं प्रश्रय का ढांचा सीमा पार मौजूद है, ऐसा होने की स्थिति बनेगी भी नहीं। अत: इस ढांचे को ध्वस्त करने का लक्ष्य कैसे हासिल होगा, केंद्र इस बारे में देश को भरोसे में ले, तो मौजूद संशयों का निवारण हो सकता है। यह समझ तो अब दुनिया भर में है कि आतंकवाद कोई साधारण अपराध नहीं है। बल्कि इसके जरिए आतंकवाद के संरक्षक अपने रणनीतिक उद्देश्य हासिल करना चाहते हैं। सीमा पार से संचालित भारत विरोधी आतंकवाद भी इससे अलग नहीं है। इसीलिए अपेक्षित है कि स्पष्ट लक्ष्य के साथ और राजनीतिक नेतृत्व की देखरेख में उसका माकूल जवाब दिया जाए। केंद्र के नजरिए में समस्या यह है कि इससे राजनीतिक नेतृत्व अपनी जवाबदेही सैन्य नेतृत्व को हस्तांतरित करता नजर आता है। जबकि इस बारे में जो भी कार्रवाई होगी, उसके परिणाम राजनीतिक होंगे।

असली लड़ाई जाति की नहीं धर्म की

हरिशंकर व्यास

पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने हिंदू-मुस्लिम का जो राग छेड़ा और उसके बाद जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान के आतंकवादियों ने धर्म पूछ कर हिंदुओं का जैसा नरसंहार किया उससे भारत की राजनीति बड़े पैमाने पर प्रभावित हो सकती है। भारत में पिछले कुछ समय से राजनीति बदली थी। लोकसभा चुनाव में संविधान और आरक्षण बचाने की लड़ाई कारगर साबित हुई थी। भाजपा की मंदिर और धर्म के एजेंडे के बरक्स विपक्षी पार्टियों ने अपना गठबंधन बनाया था और अपना एजेंडा आगे किया था। वह एजेंडा धर्म की राजनीति को फेल करने वाला था। उसमें जाति आधारित जनगणना की मांग थी। आबादी के अनुपात में आरक्षण बढ़ाने का वादा था और संविधान बचाने का संकल्प था। भाजपा के कई नेताओं ने चार सीट जीतने और उसके बाद संविधान बदलने की जो बात कही थी उसका मुद्दा भी था। एक तरफ भाजपा अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन की हवा पर सवार थी और उसको लग रहा था कि यह मुद्दा हिंदुओं को पहले से ज्यादा एकजुट कर देगा लेकिन उसके मुकाबले जाति का मुद्दा ज्यादा प्रभावी हो गया। भाजपा ने अपनी जीती हुई 63 सीटें गंवा दी। सहयोगियों की स्थिति भी अच्छी नहीं रही। लोकसभा के इस नतीजे के बाद हालांकि राज्यों के चुनाव में सब कुछ बदल गया और भाजपा ने ज्यादातर राज्यों में चुनाव जीत लिए। लेकिन उन राज्यों में भी भाजपा की जीत धर्म की बजाय जातिगत गणित बैठाने से हुई। तभी भाजपा किसी ऐसे मौके की तलाश में थी, जिससे विपक्षी पार्टियों की जाति की राजनीति की काट हो सके। वह मौका मिला है मुनीर के दो राष्ट्र के सिद्धांत वाले भाषण और उसके बाद पहलगाम में हुए हिंदुओं के नरसंहार से। धर्म पूछ कर हिंदू पुरुषों को गोली मार देने और महिलाओं से कथित तौर पर यह कहने कि, 'जाओ जाकर मोदी को बता दो', देश की राजनीति में बदलाव आ सकता है। इससे यह धारणा बन रही है कि असली लड़ाई जाति की नहीं धर्म की है और सभी हिंदुओं को एकजुट रहने की जरुरत है। दूसरी धारणा यह बन रही है कि धर्म रक्षा की यह लड़ाई मोदी लड़ रहे हैं। यह स्थिति भाजपा के बहुत अनुकूल होती दिख रही है। पहलगाम की घटना के तुरंत बाद हिंदुवादी संगठनों की प्रतिक्रिया इसी लाइन पर थी। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के मुखपत्रर 'पांचजन्य' के सोशल मीडिया अकाउंट से एक पोस्ट की गई, जिसमें लिखा गया था, 'उन्होंने धर्म पूछा, जाति नहीं'। उसके बाद से सोशल मीडिया में यह नैरेटिव चल रहा है कि आतंकवादियों ने हिंदुओं को मारा। उन्होंने यह नहीं पूछा कि हिंदुओं में कौन किस जाति का है। इसलिए हिंदुओं को भी जाति से ऊपर उठ कर सोचना चाहिए। यह रिपोर्ट भी आई कि असम के एक प्रोफेसर को 'कलमा' पढ़ना आता था और उसने आतंकवादियों के कहने पर कलमा पढ़ दिया तो उसकी जान बच गई। तभी भाजपा के एक सांसद ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर 'कलमा' लिख कर डाला और कहा कि इसे याद कर रहे हैं, पता नहीं कहां पढ़ना पड़ जाए। हालांकि इसके लिए कई लोगों ने उनकी आलोचना की और कहा कि उनको अपनी ही सरकार पर भरोसा नहीं है कि वह सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती है। लेकिन यह मामला सुरक्षा का नहीं है, बल्कि राजनीतिक नैरेटिव का है। इसी नैरेटिव के तहत अब यह प्रचार किया जा रहा है कि आतंकवाद का धर्म होता है। लोग इस्लाम को आतंकवाद से जोड़ कर बोलने लगे हैं। कहा जा रहा है कि 'सिख आतंकवाद' या 'खालिस्तानी आतंकवाद' बोला जाता है। इसी तरह 'हिंदू आतंकवाद' भी प्रचारित किया गया। लेकिन 'इस्लामिक आतंकवाद' या 'मुस्लिम आतंकवाद' कहने पर लोग नाराज हो जाते थे या कहने वाले को सांप्रदायिक करार दिया जाता था।

भारत का आतंक पर कभी न भूलने वाला प्रहार

योगेश कुमार गोयल

'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिये भारत ने साबित कर दिया है कि वह अब केवल प्रतिक्रिया देने वाला देश नहीं बल्कि आतंक के स्त्रोतों पर निर्णायक और सर्जिकल प्रहार करने वाला राष्ट्र बन चुका है। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जिस तरह भारत ने सीमा पार स्थित आतंकी ठिकानों पर निशाना साधते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया, उसने न केवल पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाई बल्कि भारत की नई सैन्य नीति को भी स्पष्ट कर दिया कि अब हम चुप नहीं बैठेंगे बल्कि हम आतंक के जन्मस्थल तक जाएंगे और वहां आग लगाएंगे। यह ऑपरेशन केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी, यह उस बदले हुए भारत की घोषणा थी, जो अब बातों से नहीं, बमों से जवाब देता है, जो कूटनीति की किताब बंद करके अब अपने लड़ाकू विमानों और मिसाइलों की बोली में संवाद करता है। भारतीय वायुसेना ने जब पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर में घुसकर आतंकियों के अड्डों पर सर्जिकल स्ट्राइक की तो यह महज जवाबी हमला नहीं था, यह स्पष्ट संदेश था कि भारत अब किसी आतंकी की मांद को भी सुरक्षित नहीं छोड़ेगा, चाहे वह सरहद के इस पार हो या उस पार।

ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य स्पष्ट था, उन स्थानों को ध्वस्त करना, जहां से भारत में आतंक का बीज बोया जाता है। पहलगाम हमला, जिसमें हमारे निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाया गया, उसकी साजिश कहीं और नहीं, पाकिस्तान की फौज, आईएसआई और लश्कर-ए-तैयबा जैसों की सांठगांठ से ही तैयार की गई थी। भारत ने न केवल इस साजिश को समझा बल्कि उसे जड़ से उखाड़ने की भी ठान ली है। इस ऑपरेशन में भारतीय वायुसेना ने जिस साहस, रणनीति और सटीकता का परिचय दिया, वह दुनिया के किसी भी शीर्ष सैन्य बल को चुनौती देने के लिए पर्याप्त है। पाकिस्तान हमेशा से ही दोहरी भूमिका निभाता रहा है, एक ओर वह अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर शांति और वार्ता की बात करता है तो दूसरी ओर अपने क्षेत्र को आतंकियों के प्रशिक्षण केंद्र के रूप में प्रयोग करता है। भारत ने अब उस नकाब को पूरी तरह नोच फेंका है। ऑपरेशन सिंदूर ने बता दिया कि भारत अब उन भाषणों या प्रस्तावों से संतुष्ट नहीं होगा, जो संयुक्त राष्ट्र में दिए जाते हैं बल्कि उन बंकरों को नेस्तनाबूद करेगा, जहां से ये षड्यंत्र जन्म लेते हैं।

भारत द्वारा यह कार्रवाई अचानक नहीं की गई बल्कि पहले खुफिया एजेंसियों के माध्यम से आतंकियों की गतिविधियों की पूरी जानकारी जुटाई गई। सैटेलाइट इमेजिंग, मानव खुफिया नेटवर्क और तकनीकी निगरानी के जरिये भारत को यह स्पष्ट हो गया था कि पाक अधिकृत कश्मीर में कुछ स्थान आतंकियों के लांच पैड के रूप में कार्य कर रहे हैं। यह भी सामने आया कि हालिया पहलगाम हमले की योजना भी यहीं से बनाई गई थी। भारत की यह नीति अब 'हिट ऐंड होल्ड' की है कि हमला करो, कब्जा करो और दबाव बनाए रखो। इस ऑपरेशन में सबसे प्रभावशाली बात यह रही कि भारतीय लड़ाकू विमानों ने रात के अंधेरे में बेहद सटीकता से अपने लक्ष्य साधे और सीमित समय में वहां से निकल आए। यह 'नो वॉर्निंग, नो वॉर' रणनीति का आदर्श उदाहरण था। पाकिस्तान के वायु रक्षा तंत्र को भनक तक नहीं लगी और जब तक वहां के सैन्य प्रतिष्ठान कुछ समझ पाते, तब तक भारत अपना काम करके वापस लौट चुका था।

इस ऑपरेशन में केवल आतंकी ठिकानों को ही नहीं, उन ठिकानों को भी निशाना बनाया गया, जहां से उन्हें रसद, हथियार और प्रशिक्षण दिया जाता था। यह केवल आतंकियों के खिलाफ नहीं बल्कि आतंक को संरक्षण देने वाली पूरी पाकिस्तानी सैन्य और खुफिया संरचना के खिलाफकार्रवाई थी। यही कारण है कि पाकिस्तान के राजनीतिक और सैन्य गलियारों में इस ऑपरेशन के बाद सन्नाटा छा गया। हालांकि पाकिस्तान की प्रतिक्रिया पूर्वानुमेय थी, पहले इन्कार, फिर विक्टिम कार्ड खेलना और अंत में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से गुहार लगाना लेकिन अब वैश्विक परिदृश्य बदल चुका है। अमेरिका, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अन्य लोकतांत्रिक देश भारत के साथ खड़े हैं। आतंक के प्रति उनकी नीति अब स्पष्ट है कि जो आतंक को शरण देगा, वह खुद सुरक्षित नहीं रहेगा। इसीलिए, भारत द्वारा किए गए इस ऑपरेशन को विश्वभर में नैतिक समर्थन और वैधता प्राप्त हुई है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि ऑपरेशन सिंदूर का सैन्य पक्ष जितना शक्तिशाली था, उतनी ही मजबूत उसकी कूटनीतिक तैयारी भी थी। भारत ने पहले ही अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान के आतंक समर्थक चेहरे को उजागर कर दिया था। एफएटीएफ जैसे मंचों पर पाकिस्तान की असफलताएं जगजाहिर हैं। ऐसे में भारत का यह सैन्य कदम उस लंबे कूटनीतिक संघर्ष का परिणामी वार था, जिसे वर्षों से संजोया जा रहा था। ऑपरेशन सिंदूर ने यह भी दिखा दिया कि भारत अब केवल एलओसी तक सीमित नहीं है। यदि आवश्यक हुआ तो भारत नियंत्रण रेखा पार करके भी अपने हितों की रक्षा कर सकता है। यह नीति पाकिस्तान के लिए स्पष्ट चेतावनी है कि यदि उसने अब भी अपने घर में पल रहे आतंकी सांपों को दूध पिलाना बंद नहीं किया तो अगली बार भारत उनके बिलों तक पहुंचेगा और उन्हें वहीं खत्म करेगा। यह भी उल्लेखनीय है कि भारत की सैन्य क्षमता अब केवल परंपरागत युद्धों तक सीमित नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर में जिन हथियारों और तकनीकों का उपयोग किया गया, उनमें राफेल जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमान, ड्रोन निगरानी, रियल टाइम सैटेलाइट डेटा और बंकर भेदी बम शामिल थे। यह सब कुछ दर्शाता है कि भारत अब एक आधुनिक, आक्रामक और निर्णायक सैन्य शक्ति बन चुका है। पाकिस्तान की अब तक की रणनीति यही रही है कि वह भारत के धैर्य की परीक्षा लेता रहे और भारत केवल विरोध या चेतावनी तक सीमित रहे लेकिन अब वह दौर समाप्त हो गया है। भारत ने बता दिया है कि वह न केवल जवाब देगा बल्कि ऐसा जवाब देगा, जो 'आतंकिस्तान' को अगली साजिश रचने से पहले सौ बार सोचने पर विवश करेगा। आतंक को बढ़ावा देना अब पाकिस्तान के लिए केवल एक रणनीति नहीं, आत्मघाती कदम बन चुका है। भारत ने साबित कर दिया है कि अब न केवल सीमा की सुरक्षा करेगा बल्कि आवश्यकता पड़ी तो आतंकी नेटवर्क की जड़ों तक जाकर प्रहार करेगा। यह केवल सैन्य नीति नहीं बल्कि नई भारतीय आत्मा की आवाज है, जो शांति तो चाहती है लेकिन डरती नहीं, जो प्रेम में तो विश्वास करती है लेकिन पराजय में नहीं।

ऑपरेशन सिंदूर अब एक ऐसा उदाहरण बन गया है, जो यह बताता है कि आतंक से अब डायलॉग से नहीं, डायनामाइट से निपटना है। भारत ने यह प्रमाणित कर दिया है कि वह किसी भी कीमत पर अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, चाहे उसके लिए कितनी भी बड़ी कार्रवाई क्यों न करनी पड़े। आज भारत के पास रक्षात्मक नहीं, आक्रामक कूटनीति है। अब हम इंतजार नहीं करते कि दुश्मन कब वार करे बल्कि अब हम तय करते हैं कि कब, कहां और कैसे प्रहार करना है। यह बदलाव केवल सरकार की नीति में ही नहीं, देश की चेतना में भी है और यही चेतना ऑपरेशन सिंदूर की असली ताकत है। अब यदि पाकिस्तान यह सोचता है कि वह फिर किसी नए हमले की योजना बनाकर भारत को अस्थिर कर देगा तो उसे भली-भांति समझ लेना चाहिए कि 'ऑपरेशन सिंदूर' तो केवल शुरुआत है, अब हर आतंकी ठिकाने के लिए भारत के पास ऐसा जवाब है, जो न केवल आतंकियों के ठिकानों बल्कि समूचे पाकिस्तान का नाम ही विश्व के मानचित्र से गायब कर सकता है।

न्यायपालिका की आलोचना मौजूदा राजनीतिक माहौल

अजीत द्विवेदी

न्यायिक सक्रियता की हमेशा आलोचना होती रही है। यह आम धारणा है कि सरकार कमजोर होती हैं तो न्यायपालिका सक्रिय हो जाती है और वह विधायिका व कार्यपालिका दोनों के अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण करती है या करने की कोशिश करती है। भारत में न्यायिक सक्रियता की सबसे तेज गूंज तभी सुनाई दी थी, जब देश में गठबंधन की सरकारों का दौर शुरू हुआ।

आठवें दशक के आखिरी दिनों से लेकर समूचे नब्बे के दशक में भी न्यायपालिका खूब सक्रिय रही। अनायास नहीं है कि उसी दौर में जजों की नियुक्ति और तबादले का कॉलेजियम सिस्टम भी शुरू हुआ। उस समय सर्वोच्च अदालत के फैसलों से कई नीतियां तय हुईं। आरक्षण की सीमा तय करने से लेकर क्रीमी लेयर बनाने तक के सारे काम उसी दौर में हुए।

तब भी न्यायपालिका की खूब आलोचना होती थी। लेकिन उस समय की आलोचना और अभी हो रही आलोचना में एक बुनियादी फर्क है। उस समय अदालतों के फैसले के गुणदोष पर ज्यादा चर्चा होती थी। हर फैसले को उसके गुणदोष की कसौटी पर कसा जाता था। आलोचना के लिए संवैधानिक तर्क दिए जाते थे। लेकिन अब आलोचना में बौद्धिक दरिद्रता झलकती है। अब फैसले के गुणदोष पर बात नहीं होती है और न फैसले को गलत साबित करने के लिए कोई संवैधानिक तर्क दिया जाता है। अब न्यायपालिका की आलोचना राजनीति में चलने वाले कुतर्कों से की जाती है।

मिसाल के तौर पर तमिलनाडु के राज्यपाल द्वारा विधानसभा से पारित 10 विधायकों को लंबे समय तक लंबित रखने के मामले में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसले की जो आलोचना हो रही है उसमें इस फैसले को संवैधानिक प्रावधानों की कसौटी पर गलत साबित करने का एक भी तर्क नहीं दिया जा रहा है। कहा जा रहा है कि अदालतें कानून बनाने लगेंगी तो संसद और विधानसभाओं में ताला लगा देना चाहिए। लेकिन क्या कोई बता सकता है कि अदालत ने कौन सा कानून बना दिया है? कानून तो बना हुआ है कि विधानसभा से पारित किसी भी विधेयक को राज्यपाल मंजूरी देंगे या वापस लौटाएंगे या राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेजेंगे।

यही तीन विकल्प हैं। कानून में यह भी लिखा हुआ है कि अगर राज्यपाल ने विधेयक लौटाया है और विधानसभा उसे दोबारा पारित करके भेजेगी तो अनिवार्य रूप से राज्यपाल को उस पर मंजूरी देनी होगी। यह सब संविधान में लिखा हुआ है। लेकिन इस कानून में एक लूपहोल खोज लिया गया कि इसमें यह नहीं लिखा गया है कि कितने समय में बिल को मंजूरी देनी है या कितने समय में लौटाना है। इस लूपहोल के आधार पर बिल तीन तीन साल लटका दिए गए।

सुप्रीम कोर्ट ने सिर्फ इस संवैधानिक प्रावधान की व्याख्या की है और उसकी विसंगति को दूर किया है। सोचें, आमतौर पर कानून से बचने के लिए आरोपियों के वकील कानून के लूपहोल्स निकालते हैं। लेकिन जब संवैधानिक प्राधिकार लूपहोल्स का इस्तेमाल करने लगे तो क्या किया जाए! बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट के फैसले का विरोध करने वाले तमाम सांसदों, नेताओं, कथित बुद्धिजीवियों, यूट्यूबर्स आदि को पढ़ने और उनके वीडियो सुनने के बाद यह निष्कर्ष निकला है कि मेरिट पर भले फैसला सही हो लेकिन न्यायपालिका में बहुत कमियां हैं इसलिए उनका फैसला गलत है। फैसले का विरोध करने वाले 'विद्वानों' ने जो तर्क दिए, उनमें से कई बहुत दिलचस्प हैं।

कहा गया, कॉलेजियम के जरिए जजों की नियुक्ति और तबादले होते हैं और इसमें भाई-भतीजावाद होता है, अमुक व्यक्ति को जमानत देने के लिए एक चीफ जस्टिस ने एक दिन में दो बार बेंच बदली, अमुक व्यक्ति के लिए छुट्टी के दिन बेंच बैठी, अमुक व्यक्ति के मामले में सुनवाई के लिए आधी रात को अदालत खुली, अमुक जज के यहां से नोटों के बंडल निकले लेकिन एफआईआर नहीं हुई, अदालतों में बहुत छुट्टियां होती हैं, अदालतों में करोड़ों मामले लंबित हैं, जज महीनों तक फैसला सुरक्षित रख लेते हैं, जज अपनी संपत्ति का ब्योरा नहीं देते हैं आदि आदि।

'विद्वानों' ने यह साबित किया है कि अदालतें अब भी कांग्रेस के हिसाब से चलती हैं क्योंकि कांग्रेस आजादी के समय से वकीलों की पार्टी रही है। यह भी कहा जा रहा है कि अमुक वकील के पिता भी किसी हाई कोर्ट के एडवोकेट जनरल थे या अमुक आरोपी के पिता कई बरसों तक अटॉर्नी जनरल रहे। सोचें, इसमें राज्यपाल और राष्ट्रपति पर दिए गए फैसले का पहलू कहां है? बौद्धिक दरिद्रता का आलम यह है कि न्यायपालिका की आलोचना के लिए पंडित जवाहर लाल नेहरू की सरकार द्वारा किए गए पहले संविधान संशोधन की तरफदारी की जा रही है और यह भी याद दिलाया जा रहा है कि इंदिरा गांधी व राजीव गांधी ने हैसियत बता दी थी न्यायपालिका की।

इस पूरी जमात का सबसे बड़ा बौद्धिक तर्क यह है कि देश के करोड़ों लोगों ने जिनको चुना है वे सबसे ऊपर हैं और काला कोट पहनने वाले दो या पांच लोग तय नहीं करेंगे कि देश के लिए क्या अच्छा है। यह एक धूर्ततापूर्ण तर्क है, जो संवैधानिक व्यवस्था की बजाय चुनी हुई सरकार की तानाशाही की तरफदारी करता है।

अगर इस तर्क को मानें कि चुनी हुई सरकार सबसे ऊपर है और उसे ही यह तय करने का अधिकार है कि देश और उसकी जनता के लिए क्या अच्छा है तो फिर किसी भी मसले पर अदालतों के फैसलों की क्या जरुरत है? सोचें, यही कुपढ़ और अपढ़ लोग जो एक फैसले के लिए न्यायपालिका की बखिया उधेड़ रहे हैं उन्होंने उसी न्यायपालिका के कितने फैसलों का जश्न मनाया है! जब काला कोट पहनने वाले लोग कुछ भी तय नहीं कर सकते हैं तो फिर उनके फैसलों पर जश्न मनाने की क्या जरुरत है? असल में इनकी तारीफों की तरह ही इनकी आलोचना भी दिशाहीन और बुद्धिनिरपेक्ष है।

सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या की जमीन हिंदू पक्ष को दे दी और कहा कि मुस्लिम पांच किलोमीटर दूर मस्जिद बनाएं तो अदालत की जय जयकार हुई। अदालत ने कह दिया कि ईवीएम से चुनाव में कोई गड़बड़ी नहीं है तो अदालत की जय जयकार हुई। अदालत ने कहा कि पांच से ज्यादा वीवीपैट मशीनों का ईवीएम से मिलान करने की जरुरत नहीं है तो अदालत की जय जयकार हुई। अदालत ने कहा कि वाराणसी के ट्रायल कोर्ट के जज ने ज्ञानवापी के सर्वे की मंजूरी देकर ठीक किया है क्योंकि सर्वे से किसी धर्मस्थल की संरचना नहीं बदल रही है और इसलिए यह धर्मस्थल कानून का उल्लंघन नहीं है तो अदालत की जय जयकार हुई।

अदालत ने कह दिया कि चुनावी बॉन्ड से चंदा अवैध था लेकिन पार्टियों को मिला चंदा वापस लेने या उसकी जांच की जरुरत नहीं है तो अदालत की जय जयकार हुई, अदालत ने तीन तलाक को अवैध घोषित कर दिया तो उसकी जय जयकार हुई, अदालत ने अनुच्छेद 370 हटाने के फैसले को सही ठहराया तो उसकी जय जयकार हुई। लेकिन उसी अदालत ने कह दिया कि विधानसभा से पारित विधेयक को राज्यपाल द्वारा एक निश्चित समय सीमा में मंजूरी दे दी जानी चाहिए तो फिर अदालत की सारी कमियां और जजों की कई पुश्तों की सच्ची झूठी कहानियां सामने आ जाती हैं।

अदालत वाक व अभिव्यक्ति की आजादी बचाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी कानून की धारा 66ए को निरस्त कर दे या फिर समलैंगिकता को अपराध बनाने वाली धारा को निरस्त कर दे तो फिर अदालत की ऐसी तैसी कर दी जाती है।

इन्हीं कुतर्कों के आधार पर अगर विधायिका और कार्यपालिका के बारे में विचार किया जाए तो क्या होगा? लोकसभा के करीब आधे सांसदों के ऊपर आपराधिक मामले हैं। हत्या, बलात्कार, डकैती, बैंक लूट, चोरी, अपहरण, हत्या के प्रयास, मारपीट, बैंक फ्रॉड, ठगी, धोखाधड़ी जैसे आपराधिक मामलों के आरोपी संसद और विधानसभाओं में हैं। सांसदों पर पैसे लेकर वोट देने और पैसे लेकर प्रश्न पूछने के आरोप लगे हैं। निर्वाचित प्रतिनिधियों के झूठे ट्रैवल बिल बनाने का किस्सा भी कुछ समय पहले सामने आया था।

निर्वाचित प्रतिनिधियों पर अपनी निधि का पैसा कमीशन लेकर बेचने की आरोप लगते रहे हैं और कहीं भी इसकी कहानियां सुनने को मिल सकती है। राजनीति में वंशवाद फलफूल रहा है और धनबल, बाहुबल से लोग चुनाव जीत रहे हैं। इस तरह के सभी लोग कानून बना सकते हैं क्योंकि इनको जनता ने चुना है लेकिन कानून की पढ़ाई करके और बरसों प्रैक्टिस के बाद जज बने लोग कानून की व्याख्या नहीं कर सकते हैं क्योंकि वे कॉलेजियम से चुने जाते हैं, छुट्टी बहुत करते हैं, मुकदमे बहुत लंबित हैं आदि आदि।

बहरहाल, तमिलनाडु सरकार बनाम तमिलनाडु के राज्यपाल मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ जितना भी बोला या लिखा गया है उसमें कहीं भी यह सुनने या पढ़ने को नहीं मिला कि राष्ट्रपति और राज्यपाल के पद का सृजन करते समय संविधान सभा में क्या बहस हुई थी। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने क्या कहा था? प्रोफेसर केटी शाह ने क्या कहा और क्या संशोधन प्रस्तावित किया? टीटी कृष्णामचारी ने क्या कहा? इमरजेंसी के समय क्या हुआ था? उससे एक साल पहले शमशेर सिंह बनाम पंजाब सरकार के केस में क्या हुआ था?

अभी हाल के दिनों में नबाम रेबिया बनाम डिप्टी स्पीकर के मामले में क्या हुआ था? फर्स्ट या सेकंड जज केस क्या है? गोलकनाथ बनाम पंजाब सरकार या केशवानंद भारती बनाम केरल सरकार या मिनर्वा मिल्स बनाम भारत सरकार का केस क्या है? संविधान के बुनियादी ढांचे का सिद्धांत कैसे और किन परिस्थितियों में सामने आया? कॉलेजियम का सिस्टम किन हालात में बना? बस मुंह उठाए और आलोचना कर दी। चूंकि न्यायपालिका की आलोचना मौजूदा राजनीतिक माहौल के अनुरूप है तो अनापशनाप तर्क गढ़ कर आलोचना की जा रही है।

प्रदोष काल में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा

हिंदू पंचांग के अनुसार प्रत्येक माह की त्रयोदशी तिथि को प्रदोष व्रत किया जाता है, किंतु वैशाख माह की शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी विशेष पुण्यदायी मानी गई है। इस दिन प्रदोष काल में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करने से विशेष फल प्राप्त होते हैं। वैदिक पंचांग के अनुसार, वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि की शुरुआत 9 मई को दोपहर 2 बजकर 56 मिनट से होगी और अगले दिन यानी 10 मई को शाम को 5 बजकर 29 मिनट पर तिथि खत्म होगी। इस प्रकार शुक्र प्रदोष व्रत 9 मई को किया जाएगा।

प्रदोष पर शिव पूजा का महत्व

यह व्रत धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति के लिए अत्यंत प्रभावकारी माना जाता है। इस दिन व्रत, उपवास, रुद्राभिषेक और शिवलिंग पर विविध वस्तुएं अर्पित करने से समस्त दोषों का नाश होता है और जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि आती है। स्कंद पुराण, शिव पुराण तथा लिंग पुराण में इस व्रत की महिमा का विस्तार से वर्णन मिलता है। वैशाख शुक्ल त्रयोदशी को प्रदोष व्रत रखकर भगवान शिव और माता पार्वती की श्रद्धा भाव से पूजा करने से व्यक्ति को जीवन में हर प्रकार की शुभता प्राप्त होती है। यह व्रत विशेष रूप से उन लोगों के लिए फलदायक होता है जो गृहस्थ जीवन में संतुलन, स्वास्थ्य, समृद्धि और मानसिक शांति की कामना रखते हैं। प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव का रुद्राभिषेक विशेष रूप से किया जाता है। इस दिन शिवलिंग पर विभिन्न वस्तुएं अर्पित करने की विशेष परंपरा है, जिनका धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व अत्यधिक है।

जल और गंगाजल – सबसे पहले

शिवलिंग को स्वच्छ जल और गंगाजल से स्नान कराना चाहिए। इससे पापों का नाश होता है और चित्त शुद्ध होता है। दूध_शिवलिंग पर दूध चढ़ाने से चंद्र दोष समाप्त होता है और मन की शांति प्राप्त होती है।

घर की दक्षिण दिशा में जरूर लगाएं ये पौधे

चमेली का पौधा

वास्तु शास्त्र के अनुसार चमेली का पौधा अपनी खुशबू की वजह से हमेशा सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है। यदि आप इसे सही दिशा में लगाती हैं तो इससे पति-पत्नी के रिश्तों में आने वाली दूरी कम की जा सकती है। यह दाम्पत्य जीवन में खुशहाली लाने का काम करता है। वहीं यदि आप इस पौधे को घर की दक्षिण दिशा में लगाती हैं तो ये ज्यादा शुभ फल देता है और सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है। इसे आप घर के भीतर दक्षिण दिशा में किसी भी दरवाजे या खिड़की के पास रख सकती हैं।

नीम का पौधा:

ज्योतिष के अनुसार नीम के पौधे को हमेशा मंगल ग्रह से जोड़ा जाता है और इस पौधे को घर में लगाने से मंगल के शुभ प्रभाव होते हैं। यदि आप इसे घर की दक्षिण दिशा में लगाती हैं तो ये धन को आकर्षित करता है और आपके घर में सदैव खुशहाली बनी रहती है। ग्रहों की शांति के लिए आपको नीम का पेड़ हमेशा घर की इसी दिशा में लगाने की सलाह दी जाती है। इस दिशा में लगा हुआ पेड़ धन के योग बनांता है। नीम के पौधे को ज्योतिष में शनि से जोड़ा होता है, इसलिए इसे घर में लगाने से शनि दोषों को भी कम किया जा सकता है।

मनी प्लांट :

वास्तु शास्त्र के अनुसार मनी प्लांट को हमेशा घर की दक्षिण दिशा में लगाना ठीक होता है। यदि आप इसे दक्षिण पूर्व दिशा में लगाती हैं तो इसके लाभ कई गुना तक बढ़ जाते हैं। इस दिशा को घर का अग्नि कोण माना जाता है और इस स्थान पर लगा हुआ मनी प्लांट हमेशा धन के ज्यादा योग बनाता है।इस दिशा में मनी प्लांट लगाने से भगवान गणपति को प्रसन्न करने में मदद मिलती है और इस दिशा में ही मनी प्लांट लगाने से घर की सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है और आर्थिक लाभ होता है। इसके विपरीत मनी प्लांट को कभी घर की उत्तर पूर्व दिशा में नहीं लगाना चाहिए।

एलोवेरा का पौधा:

वास्तु शास्त्र के अनुसार एलोवेरा के पौधे का संबंध किसी भी व्यक्ति के करियर और नौकरी से होता है। यदि आप इसे घर की सही दिशा में लगाती हैं तो ये आपके लिए करियर में सफलता के साथ धन के अच्छे योग बनाने में मदद करता है।इस पौधे की लगाने से आपके मान-सम्मान में वृद्धि होती है और पैसा दिन दूना रात चौगुना बढ़ सकता है। इस पौधे को हमेशा सही दिशा में लगाने की सलाह दी जाती है। इस पौधे को हमेशा घर की दक्षिण-पूर्व दिशा में लगाने की सलाह दी जाती है, जिससे आपको सफलता मिले। वास्तु के अनुसार यदि आप इन विशेष पौधों को घर की दक्षिण दिशा में लगाती हैं घर में सदैव खुशहाली बनी रहती है।

चने से बेसन और सत्तू बनाने का तरीका

देसी चने का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। ऐसे में स्प्राउट्स से लेकर चने की सब्जी और चने की दाल जैसे अलग-अलग तरीके से लोग चने को डाइट में शामिल करना पसंद करते हैं। वहीं, चने से बेसन और सत्तू भी बनाया जाता है, मगर क्या आप जानते हैं कि एक ही चने से बनने वाले बेसन और सत्तू में क्या अंतर होता है? बेसन और सत्तू दोनों को ही चने की दाल पीसने के बाद तैयार किया जाता है, मगर इसके बावजूद ना सिर्फ दोनों के स्वाद में अंतर होता है, बल्कि दोनों को खाने का तरीका भी बिल्कुल अलग होता है। आइए हम आपको बताते हैं कि चने से बनने वाले बेसन और सत्तू आखिर एक-दूसरे से इतने अलग क्यों हैं।चने का बेसन बनाने के लिए चने की दाल का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में चने को सुखाने के बाद इसे कूटकर चने की दाल का रूप दिया जाता है। जिसके बाद चने की दाल को बिल्कुल बारीक पीसकर पाउडर बनता है। इसी पाउडर को हम बेसन के नाम से जानते हैं। आमतौर पर बेसन का इस्तेमाल कढ़ी, पकौड़ी, बूंदी और तमाम तरह की मिठाइयां बनाने में किया जाता है।

सत्तू बनाने का तरीका

चने का सत्तू दो तरीके से बनाया जाता है, इसको बनाने के लिए भुने हुए चनों को पीसकर सत्तू तैयार किया जाता है। तो वहीं दाल से सत्तू बनाने के लिए चने की दाल को पीसने से पहले इसे हल्का सा भूना जाता है। जिससे दाल कुरकुरी और हल्के भूरे रंग की हो जाती है। ऐसे में भुनी हुई चने की दाल को पीसकर सत्तू तैयार किया जाता है। यही कारण है कि सत्तू को लोग बिना पकाए भी खा लेते हैं। खासतौर पर गर्मी के मौसम में कई लोग सत्तू का घोल या पेस्ट बनाकर खाना पसंद करते हैं। वहीं सत्तू खाने में स्वादिष्ट होने के साथ-साथ प्रोषक तत्वों से भी भरपूर होता है।

बेसन और सत्तू में अंतर

बेसन और सत्तू खरीदते समय दोनों में फर्क समझने के लिए आप इनके रंग पर गौर कर सकते हैं। जहां बेसन का रंग हल्का पीला होता है। तो वहीं भुनी हुई चने की दाल से बनने के कारण सत्तू हल्के भूरे रंग का होता है। इसके अलावा दोनों के स्वाद में भी बेहद अंतर होता है।

किताबों की अलमारी साफ सुथरा रखने के टिप्स

असल में किताबों की अलमारी में किताबों को स्टोर करने और व्यवस्थित ढंग से रखने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह किताबों को धूल और गंदगी से दूर रखने में भी मदद करती है। किताबों की अलमारी को कई तरह की सामग्री से बनाई जा सकती है, जैसे लकड़ी, मेटल, आईरन या फिर कांच से। आपके घर में अलग अलग आकारों और डिजाइन में भी अलमारी होंगे, इन्हें साफ करने और किताबों को सही से सेट करने के लिए ये तरीका अपना सकते हैं। किताबों की अलमारी में रखने के कई फायदे होते हैं। सबसे पहले, यह किताबों को व्यवस्थित तरीके से रखने और उन्हें आसानी से खोजने में मदद करता है। दूसरे, यह किताबों को धूल और गंदा होने से भी बचाता है, जिससे किताबें सालों साल तक पढ़ने लायक होती हैं। तीसरे, यह रुम में लगे किताबों को देखने में काफी आकर्षक बनाती है। किताबों की अलमारी को घर के किसी भी कमरे में रखा जा सकता है, जैसे कि लिविंग रुम, बेडरुम या स्टडी रुम। किताबों की अलमारी अक्सर किसी ऑफिस या लाइब्रेरी में भी इस्तेमाल किए जा सकते हैं।

- बुकशेल्फ से सभी किताबें हटा लें। इससे आपको पूरी तरह से सफाई करने में आसानी हो सकती है।
- अपनी किताबों पर लगे धूल को अच्छे से पोंछ लें। आप सूखे कपड़े या एक माइक्रोफाइबर कपड़े का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- साफ कर लेने के बाद किताबों को वापस बुकशेल्फ पर रख लें। किताबों को उनके आकार या विषय के आधार पर सिस्टमैटिक तरीके से रख सकते हैं।
- अपनी बुकशेल्फ पर कुछ सजावट वाले सामान रखें, जैसे कि इंडोर पौधे, आर्टिफिशियल फूलदान या मूर्तियाँ। यह आपकी बुकशेल्फ को अट्रैक्टिव लुक दे सकती है।
- आप बुकशेल्फ को एक नम कपड़े से धूल से पोछ सकते है। जिसमें कम कास्टिक वाले डिटर्जेंट का इस्तेमाल किया सकता है, लेकिन जरूर यह तय करें कि आप इसे अच्छी तरह से कपड़ों या पोछो से पोछ लें।
- अगर आपकी बुकशेल्फ में कांच लगे हुए हैं, तो आप उन्हें ग्लास क्लीनर से साफ भी कर सकते हैं।
- अगर आपके पास बहुत सारी किताबें हैं, तो आप उन्हें स्टोर करने के लिए बुक बेंड का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह एक तरह का ड्रॉर होता है।
- अपनी किताबों की अलमारी को ऐसी जगह रखें जहां दीमक या किसी तरह हानिकारक कीड़े न लग सके। बुकमार्क टैसल से अपनी किताबों को नंबरिंग करें ताकि किसी एक किताब को निकालने पर अलमारी में दूसरी किताबें अव्यवस्थित न हों।
- वैक्यूम क्लीनर से भी अलमारी को साफ किया जा सकता है।
- किताबों की लकड़ी अलमारी कैसे साफ करें
- अगर लकड़ी की अलमारी को गीले कपड़े से पोंछते हैं तो नुकसानदेह हो सकता है। इसलिए आप इसे तुरंत किसी झाड़ने वाले कपड़े से या फिर ब्रश से झाड़ सकते हैं।
- केमिकल का इस्तेमाल भी सावधानी से करें क्योंकि केमिकल लकड़ी को नुकसान पहुंचाते हैं। इसलिए आप लकड़ी की पॉलिश का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- सीधी धूप में लकड़ी की अलमारी रखने से लकड़ी को सूखा सकती है और उसे नुकसान पहुंचा सकती है। अपनी अलमारी को सीधी धूप से दूर रखना चाहिए। इससे किताबों को भी नुकसान हो सकता है।

सूर्यास्त के बाद भूलकर भी न करें 7 काम

वास्तु शास्त्र में कई ऐसी बातें बताई गई हैं, जिनसे लोगों की जिंदगी का सीधा संबंध होता है। इसमें सही दिशाओं से लेकर काम करने के सही समय के बारे में भी बताया गया है। वास्तु के नियमों का पालन करने से लोगों की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं। आज के जमाने में लोगों की लाइफस्टाइल बदल गई है और वे अपने जरूरी काम किसी भी वक्त करने लगते हैं। आपने तमाम लोगों को रात के वक्त हेयर कटिंग और कपड़े धोते हुए देखा होगा। हालांकि वास्तु में इन चीजों के लिए दिन का समय सही बताया गया है। वास्तु की मानें तो कुछ चीजें सूर्यास्त के बाद नहीं करनी चाहिए। ऐसा करने से लोगों की जिंदगी में संकट पैदा हो सकते हैं और धन की देवी मां लक्ष्मी उनसे नाराज हो सकती हैं। मान्यताओं के अनुसार देवी लक्ष्मी का आशीर्वाद पाने के लिए कुछ चीजें हैं, जिन्हें रात में करने से बचना चाहिए। वास्तु का पालन न करने से आपके घर में वित्तीय समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

- वास्तु शास्त्र के अनुसार सूर्यास्त के बाद पैसों का लेन देन करने से बचना चाहिए। मान्यता है इस वक्त दिए गए पैसे कभी वापस नहीं मिलते हैं।
- सूर्यास्त के बाद घर में झाड़ू नहीं लगानी चाहिए। ऐसा करने से मां लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं व आर्थिक तंगी आ सकती है।
- सूरज डूबने के बाद लोगों को नाखून और बाल नहीं कटवाने चाहिए। ऐसा करने से घर में नेगेटिव एनर्जी आती है और कर्ज बढ़ने की आशंका रहती है।
- सूर्यास्त के बाद कपड़े धोना भी अच्छा नहीं माना जाता है। वास्तु के अनुसार ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा आती है, जो घर में बीमारियां फैला सकती है।
- वास्तु शास्त्र के अनुसार शाम के समय सोना अशुभ माना जाता है। माना जाता है कि जिस घर में शाम के समय लोग सोते हैं वहां देवी लक्ष्मी नहीं आती हैं।
- सूर्यास्त के बाद तुलसी में जल नहीं चढ़ाना चाहिए और न ही तुलसी की पत्तियों को तोड़ना चाहिए। ऐसा करने से घर में आर्थिक तंगी फैल सकती है।
- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शाम के समय दूध, खट्टी चीजें, नमक, हल्दी, और दही का दान नहीं करना चाहिए। इससे माता लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं।

बच्चों की मेंटल हेल्थ पर इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स के इस्तेमाल का असर

इस तरह छुड़ाएं बच्चों की मोबाइल की आदत

सबसे पहली और महत्वपूर्ण बात यह है कि बच्चों के डिजिटल कंटेंट की लिमिट तय करें, जो चीजें बच्चों की सेहत पर असर डालती हैं, उन्हें बच्चों को न देखने दें। यह पेरेंट्स की जिम्मेदारी है। बच्चों के डिजिटल एक्सपोज़र का टाइम कम कर दें। इसके अलावा बच्चों की डाइट प्लान करें, ताकि उनकी ओवरऑल हेल्थ बेहतर हो जाए। मोबाइल की लत छुड़ाने के लिए बच्चों को बाहर खेलने के लिए ले जाएं। बाहर ले जाकर बच्चों को महत्वपूर्ण गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रेरित करें, जिससे उनकी क्रिएटिविटी बढ़ सके। हमारे बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए पेरेंट्स को सुरक्षा कवच के रूप में कार्य करना चाहिए। इससे आप बच्चों की मोबाइल की आदत छुड़वा सकेंगे और उनकी हेल्थ को बेहतर कर पाएंगे।

बच्चों को खूब प्यार करें और खुलकर बात करें

बच्चों को खूब प्यार और दुलार करके आप उनकी गलत आदतों को छुड़वा सकते हैं। आप बच्चों के मन में झांकने की कोशिश करें और उनसे खुलकर बात करें। इससे बच्चे आपसे अपनी परेशानी शेयर कर पाएंगे और आपको पेरेंटिंग में काफी मदद मिल सकेगा। सभी पेरेंट्स को बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए और उनका शेड्यूल बेहतर करने की कोशिश करनी चाहिए। बच्चों को आप खुलकर जीने दें और सही रास्ता दिखाएं। इससे उनकी मेंटल हेल्थ बेहतर होगी और वे सही गलत का फैसला कर पाएंगे।

प्रेग्नेंसी के दौरान पौष्टिक और संतुलित भोजन करने की सलाह

हर महिला के लिए मां बनना सबसे सुखद अहसासों में से एक है। यही वो वक्त होता है, जब एक मां खुद के लिए नहीं, बच्चे के लिए जीवन जीती है। दरअसल, प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को कई तरह के बदलावों का भी सामना करना पड़ता है। इस दौरान उसे अपने साथ-साथ गर्भ में पल रहे अपने शिशु की सेहत का भी ध्यान रखना होता है। ऐसे में एक्सपर्ट पौष्टिक और संतुलित भोजन करने के सलाह देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शिशु का दिमागी विकास गर्भावस्था में ही शुरु हो जाता है। ऐसे आपको ऐसे फूड्स का चुनाव करना चाहिए, जो आपकी सेहत के साथ शिशु की सेहत के लिए भी फायदेमंद हो। क्योंकि मां के खान-पान का सीधा असर बच्चे के दिमाग पर निर्भर करता है।

अखरोट:

प्रेग्नेंसी में अखरोट खाना सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। दरअसल, अखरोट प्रोटीन, विटामिन्स और फैट के साथ ही ओमेगा 3 फैटी एसिड का अच्छा स्रोत है। ओमेगा 3 फैटी एसिड शिशु के मानसिक विकास के लिए बेहद जरूरी होता है। यदि आप चाहती हैं कि आपका बच्चा इंटेलिजेंट हो, तो प्रेग्नेंसी के दौरान अखरोट का सेवन जरूर करना चाहिए।

अंडा:

प्रेग्नेंसी के दौरान नॉन-वेज खाने से कई गर्भवती महिलाएं बचती रहती हैं। लेकिन, ऐसा करना गलत है। संभव हो तो अंडे का सेवन जरूर करें। बता दें कि, अंडा प्रोटीन का एक समृद्ध स्रोत माना जाता है। इसमें विटामिन-डी की भी अच्छी मात्रा होती है, जो मानसिक विकास में बेहद जरूरी है। अंडा भ्रूण के मस्तिष्क के विकास में मदद करता है। साथ ही, याददाश्त और सीखने की क्षमता को बढ़ावा देता है।

कद्दू के बीज:

प्रेग्नेंसी के दौरान कद्दू के बीज का सेवन जरूर करना चाहिए। कद्दू के बीज खाने से शरीर को प्रोटीन अधिक मिलता है। ऐसे में यदि आप चाहते हैं कि आपका होने वाला बच्चा स्मार्ट हो, तो इन चमत्कारी बीजों को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। दरअसल, इस बीजों में जिंक पाया जाता है, जो शिशु के दिमागी विकास के लिए जरूरी है। साथ ही एंटीऑक्सीडेंट शिशु के मस्तिष्क के ऊतकों को डैमेज होने से बचाते हैं।

बादाम:

एक्सपर्ट के मुताबिक, प्रेग्नेंसी में बादाम का जरूर सेवन करना चाहिए। क्योंकि बादाम में प्रोटीन, विटामिन और हेल्दी फैट्स की अच्छी मात्रा होती है। इसके अलावा, इसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड भी मौजूद होता है, जो शिशु के मानसिक विकास के मदद करता है। ऐसे में यदि आप प्रेग्नेंसी के दौरान नियमित बादाम खाते हैं तो गर्भ में पल रहे शिशु का दिमाग रहेगा।

आइब्रो को बनाएं घनी व खूबसूरत

आमतौर पर भौहों को घना और मोटा बनाने के लिए लोग मेकअप का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन अगर आप इन्हें परमानेंट घना बनाना चाहते हैं तो इन पर कुछ नेचुरल चीजों से मसाज करें। इस तरह भौहें काफी तेजी से घनी होंगी

नारियल तेल में कई ऐसे पोषक तत्व हैं जो बालों को घना बनाने में काफी काम आता है। सिर के बालों की तरह अगर आप आइब्रो को घना करना चाहते हैं तो नारियल तेल से मसाल करें। आप थोड़ा सा नारियल तेल चम्मच में लें और इसे गर्म कर लें। अब गुनगुना होने पर आप इसमें उंगली डालें और उंगली के पोर से आइब्रो पर मसाज करें। बेहतर फायदे के लिए आप रातभर इसे लगा कर रखें और सुबह धो लें।

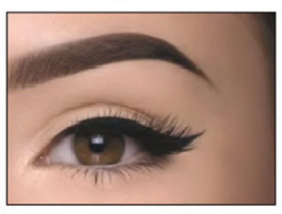

नारियल तेल की तरह ही टी ट्री ऑयल की मदद से भी आप अपने आइब्रो को मोटा और घना बना सकते हैं। यह सेल्युलर और फॉलिक्युलर हेल्थ को अच्छा करता है जिससे बालों की ग्रोथ बढ़ जाती है। इसे भी आप रोज रात के वक्त अपने साफ सुथरे आइब्रो पर इसे लगाएं और 5 मिनट मसाज करें। सुबह चेहरा पानी से धो लें

आप घर में एलोवेरा जेल तो मौजूद होगा ही। आप इसकी मदद से भी अपने भौहों के बाल को घना बना सकते हैं। इसे आप रात के वक्त भौहों में लगाएं और 2 मिनट मसाल करें। आप इसे रातभर चेहरे पर छोड़ दें और सुबह इसे ठंडे पानी से धो लें। कुछ ही दिनों में बालों में घनापन नजर आने लगेगा।

लैवेंडर ऑयल को खुशबू और मन शांत करने के गुणों के लिए जाना जाता है। अगर आप इसे रोजाना हेयर पर लगाएं तो हेयर लॉस की समस्या को आप ठीक कर सकते हैं। आप इसे भी रात के वक्त आइब्रो

कद्दू की सब्जी

आवश्यक सामग्री

यह सब्जी बनाने के लिए आपको सबसे पहले 1 किलो कद्दू लेना होगा। इसके अलावा आधा कप तेल, 1 चम्मच कटा हुआ अदरक, एक चुटकी हींग, 1 चम्मच मेथी दाना, 1 चम्मच जीरा, नमक (स्वादानुसार), 1/2 चम्मच हल्दी पाउडर, 1 चम्मच मिर्च पाउडर, 1 चम्मच धनिया पाउडर, 1 चम्मच गरम मसाला, 1 चम्मच चीनी, 1 चम्मच आमचूर पाउडर और 4-5 हरी मिर्च की जरूरत होगी। इन सभी मसालों में कद्दू की सब्जी का स्वाद छिपा हुआ होता है। अगर आप चाहें, तो कद्दू को खट्टा करने के लिए इसमें खटाई भी एड कर सकते हैं। इससे कद्दू खट्टा हो जाएगा। खट्टा मीठा कद्दू बनाने के लिए चीनी और खटाई दोनों डाल दें।

बनाने की विधि

– सबसे पहले आप कद्दू को अच्छी तरह धोकर उसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लीजिए। इसके बाद गैस पर कड़ाही रखें और उसमें तेल डालकर गर्म करें।

– जब कड़ाही का तेल गर्म हो जाए, तब उसमें हींग, मेथी दाना और जीरा डालें। जब ये सभी चीजें पक जाएं, तब इसमें बारीक कटा हुआ अदरक डालकर भूनें।

– इसके बाद आप कड़ाही में कटा हुआ कद्दू और हरी मिर्च डालें और तेज आंच पर कुछ देर तक भूनें। फिर नमक, हल्दी, मिर्च गरम मसाला, धनिया पाउडर डालें।

– फिर आप इसमें एक चम्मच चीनी डाल दें। अगर आप मीठा कद्दू खाना पसंद नहीं करते हैं, तो आप चीनी की जगह एक चम्मच खटाई भी डाल सकते हैं।

कर्मा माता मंदिर प्राण प्रतिष्ठा एवं श्रीमद भागवत ज्ञानयज्ञ

बसना(समय दर्शन)। मंदिर निर्माण स्थल-बोहारपार (बसना) में श्रीमद्?भागवत का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कर्मा मैया की असीम कृपा से ग्रामीण जनों, तैलिक साहू समाज व दानदाताओं के सहयोग से ग्राम बोहारपार एन.एच.-53 में नव निर्मित कर्मा माता मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव व प्रतिभा सम्मान समारोह एवं श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन रखा गया है।

प्रतिदिन संध्या कालीन सत्र में लोक कला मंच, भजन किर्तन, डॉस प्रतियोगिता, मीना बाजार, झुला व मेला का आनंद क्षेत्र वासी ले रहे हैं।

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष्य में दिनांक 07.05.2025 से 12.05.2025 तक श्री मदभागवत कथा , समय दोपहर 3:00 बजे से अनवरत आयोजित हो रहा है।

दिनांक 07.05.25. बुधवार को कलश यात्रा, देवस्थापना भागवत माहात्म, गोकर्ण उपागवान शुकदेव जन्म, परीक्षित जन्म एवं धाप

दिनांक 08.05.25. गुरुवार वराह अवतार, सतीचरित्र ध्रुवचरित्र प्रहलाद चरित्र, श्रीराम जन्म श्री कृष्ण जन्म उत्सव की कथा कथा वाचिका पूज्या-ज्ञानंदा फूलेश्वरी शास्त्री जी (श्रीधाम वृन्दावन)के मुखारविंद से रसमय प्रस्तुति दी जा रही है।

दिनांक 09.05.25.शुक्रवार माखन चोरी, बाल लीला गोवर्धन पूजा. छप्पन भोग दिनांक 10.05.25. शनिवार महारासलीला, कंसवध, गोपी उद्धव संवाद, रूखमणी विवाह दिनांक 11.05.25. रविवार सुदामा चरित्र, यदुवंशचाप, परीक्षित मोक्ष दिनांक 12.05.25. सोमवार तुलसी वर्षा, हवन, पूर्णाहुति सहस्त्रधारा के साथ कथा का समापन होगा। फुलझर अंचल तहसील साहू संघ बसना कर्मा माता मंदिर समिति बसना परिक्षेत्र-बड़े साजापाली, सांकरा, बरोली, बन्सुला , पंकज साव अध्यक्ष तहसील साहू समाज बसना, टिकेश्वर साव उपाध्यक्ष मंदिर समिति, अजीत साव, दिलीप साव ललित साव, विजय साहू एवं पदाधिकारीगण उपस्थित रहे ।

लिपिक श्रेणी कर्मचारियों द्वारा राजस्व लिपिक संघ ने सौंपा ज्ञापन

योगेश कुर्रे

सारंगढ़(समय दर्शन)। राजस्व विभाग सारंगढ़-बिलाईगढ़ के लिपिक श्रेणी कर्मचारियों द्वारा राजस्व लिपिक संघ जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार साहू के नेतृत्व में छ.ग. (प्रदेष) राजस्व लिपिकीय संघ रजिस्ट्रेषन क्रमांक 122202598951 के आह्वान पर राजस्व विभाग के कर्मचारियों के हित में प्रमुख मांगों की पूर्ति के संबंध में सचिव छ.ग. षासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के नाम से कार्यालय कलेक्टर सारंगढ़-बिलाईगढ़ को ज्ञापन सौंपा गया । जिसमें अधीक्षक से डिप्टी कलेक्टर के पदों पर पदोन्नति आवष्यक अर्हता 05 वर्ष के स्थान पर 03 वर्ष किया जावे, लिपिक श्रेणी से नायब तहसीलदार हेतु विभागीय परीक्षा का आयोजन वर्ष 2014 के बाद नहीं किया गया है, उक्त परीक्षा का आयोजन किया जावे जैसे विभिन्न प्रमुख मांग को लेकर ज्ञापन दिया गया

उक्त ज्ञापन में विमलेश खूंटे, लीलाधर अजगल्ले, प्रकाश कुर्रे, रवि शंकर देवांगन, खीरसाय नेताम, सूनील चौधरी एवं अन्य राजस्व विभाग के लिपिकीय वर्ग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

तीन सौ लीटर कच्ची महुआ शराब और एक टन से अधिक महुआ लाहन जब्त

कवर्धा (समय दर्शन)। जिले में नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण कार्रवाई में कबीरधाम पुलिस ने अवैध महुआ शराब निर्माण के बड़े अड्डे का भंडाफोड़ किया है। ग्राम सरोधा के समीप जंगल क्षेत्र में स्थित बैगा टोला में छापेमारी की इस दबिश में लगभग 300 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब और 50 डिब्बों में भरे हुए लगभग एक टन अर्थात 1000 किलो से अधिक महुआ लाहन बरामद किया गया।

पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल' तथा पंकज पटेल के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। एसडीओपी कवर्धा कृष्ण चंद्राकर ने बताया कि पुख्ता सूचना के आधार पर हुई इस कार्रवाई में डीआरजी, कोतवाली पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम सरोधा के समीप जंगल क्षेत्र में स्थित बैगा टोला की इस दबिश में लगभग 300 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब और 50 डिब्बों में भरे हुए लगभग एक टन अर्थात 1000 किलो से अधिक महुआ लाहन बरामद किया गया।

मौके पर बनाई गई अस्थाई भट्ठियों को मौके पर ही ध्वस्त कर नष्ट किया गया। साथ ही शराब निर्माण में प्रयुक्त उपकरण प्लास्टिक ड्रम, गंज, पाइप, एल्यूमीनियम बर्तन आदि को जब्त किया गया है। पुलिस ने तत्परता और सूझबूझ से कार्य करते हुए यह दर्शाया है कि अब कोई भी अवैध गतिविधि पुलिस की निगाहों से छिपी नहीं रह सकती।

इस अभियान में कोतवाली थाना प्रभारी लालजी सिन्हा, साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक मनीष मिश्रा, महिला थाना प्रभारी सुश्री शांता लकड़ा, थाना कोतवाली से एएसआई उमा उपाध्याय, एचसी खुबीराम साहू, डीआरजी से एएसआई दिलीप सोनकर व अन्य अधिकारियों कर्मचारी व पुलिस बल के सदस्य मौजूद रहे। संयुक्त दल की यह कार्रवाई केवल शराब माफियाओं के विरुद्ध एक चेतावनी नहीं, बल्कि समाज को यह विश्वास भी दिलाती है कि कबीरधाम पुलिस अवैध नशे की जड़ तक जाकर उसे उखाड़ फेंकने का संकल्प ले चुकी है।

पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि, नशा आज समाज के स्वास्थ्य, युवाओं के भविष्य और परिवारों की शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। कबीरधाम पुलिस इसे केवल कानून व्यवस्था की चुनौती नहीं, बल्कि सामाजिक बुराई मानते हुए इससे कठोरता से निपट रही है। गाँव-गाँव में चल रहे इस तरह के कारोबार को समाप्त करने हेतु पुलिस लगातार सतर्क है और ऐसी हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। आने वाले समय में इस अभियान को और अधिक तेज किया जाएगा और जिले को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

कबीरधाम पुलिस का यह अभियान यह दर्शाता है कि अब अवैध शराब माफिआओं को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। यह एक निर्णायक लड़ाई है, जिसे प्रशासन, पुलिस और समाज की साझेदारी से ही जीता जा सकता है। इस कार्रवाई को लेकर स्थानीय ग्रामीणों ने भी पुलिस की सराहना करते हुए उम्मीद जताई है कि ऐसी सतत कार्यवाहियों से युवा पीढ़ी को सुरक्षित भविष्य मिलेगा और गाँव-गाँव से नशे की प्रवृत्ति पर रोक लग सकेगी।

प्रीति ने मारी बाजी, बनी मिशाल

पिथौरा(समय दर्शन)। पिथौरा क्षेत्रान्तर्गत के रामदर्शन पब्लिक स्कूल का कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम घोषित हुआ, जिसमें छात्रा प्रीति पटेल ने 94.5व्र अंक प्राप्त कर टॉप किया। यह परिणाम विद्यालय के पहले बैच के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण रहा। प्रीति की यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत परिश्रम और अनुशासन की कहानी है, बल्कि यह उन छात्रों के लिए भी प्रेरणा है जो पढ़ाई में निरंतरता और

समर्पण बनाए रखते हैं। परीक्षाओं के दौरान चुनौतियाँ तो सभी के सामने आती हैं, लेकिन उन्हें पार कर बेहतर प्रदर्शन कर पाना ही सच्ची सफ्लता की पहचान है। बोर्ड परीक्षाओं को लेकर छात्रों में अक्सर तनाव और अनिश्चितता का माहौल होता है, ऐसे में पहली बार परीक्षा दे रहे किसी भी बैच से इतने मजबूत परिणाम की अपेक्षा नहीं की जाती। लेकिन इस बार यह धारणा टूटी है। स्कूल की चेयरमैन कविता अग्रवाल ने कहा, यह सिर्फ एक अंक नहीं, वर्षों की मेहनत और विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का फ्ल है। प्रीति ने जिस लगन और निष्ठा से पढ़ाई की, वह आज हर छात्रा के लिए एक मिसाल है। स्कूल के प्राचार्य ने भी छात्रों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, हमारे लिए यह सिर्फ रिजल्ट नहीं, एक अनुभव है बच्चों के साथ सीखी गई हर चीज़ का सार।

प्रीति और बाकी छात्रों ने पूरे साल जिस स्थिरता और आत्मनियंत्रण के साथ पढ़ाई की, वह काबिल-ए-तारीफ है। प्रीति का संबंध छत्तीसगढ़ के राजाडेरा, पिथौरा गांव से है। उनके पिता पुरुषोत्तम पटेल कृषक हैं और माता कामेश्वरी पटेल एक गृहिणी हैं। एक सादे ग्रामीण परिवेश से आने वाली प्रीति ने यह सिद्ध कर दिया कि मेहनत, अनुशासन और आत्मबल के दम पर कोई भी छात्र किसी भी स्तर पर अपना स्थान बना सकता है।

प्रीति ने बताया कि उन्होंने नियमित पढ़ाई और समय प्रबंधन पर ध्यान दिया, और टीचर्स के मार्गदर्शन ने उन्हें लगातार प्रोत्साहित किया। परीक्षा की तैयारी के दौरान उन्होंने सोशल मीडिया से दूरी बनाए रखी और रिवीजन पर फोकस किया। शहर में प्रीति की इस सफ्लता को लेकर शिक्षकों और अभिभावकों के बीच खुशी का माहौल है। यह परिणाम न केवल स्कूल के लिए बल्कि पिथौरा के शैक्षणिक परिदृश्य के लिए भी एक सकारात्मक सकेत माना जा रहा है उक्त उपलब्धि के लिए विद्यालय के डायरेक्टर प्राचार्य स्कूल स्टाफ ने प्रीति को बधाई प्रेषित किया है।

बाबुओं की लापरवाही: जीपीएफकी राशि नहीं मिलने से युवक ने की आत्महत्या, पिता के सपने हुए चूर

कोरबा। कार्यालय कार्यपालन अभियंता जल संसाधन विभाग कोरबा के अधीनस्थ कार्यालय जल संसाधन' उपसंभाग पाली में सहायक मानचित्रकार के सपने चूर-चूर हो गए। जिस बेटे की शादी के लिए वह तैयारी कर रहा था, समय पर जीपीएफ की राशि नहीं मिली,अड़चन आई और बेटे ने आत्महत्या कर ली। यदि बाबुओं ने समय पर पैसे जारी कर दिए होते तो शायद यह नौबत नहीं आती। पीड़ित को न्याय की उम्मीद अपने प्रशासन से है। शिकायत के मुताबिक सहायक मानचित्रकार महेंद्र पाल सिंह कंवर ने अपने पुत्र प्रवीण के विवाह हेतु सामान्य भविष्य निधि खाते से राशि स्वीकृत करने हेतु अप्रैल 2024 में आवेदन किया था। अधीक्षण अभियंता जल संसाधन बिलासपुर से 2 जुलाई 2024 को राशि 2 लाख 49 हजार रुपये स्वीकृत होने के बावजूद समय पर राशि प्रदान नहीं की गई। सामान्य भविष्य निधि खाते में पर्याप्त राशि होने व स्वीकृत करने के बाद भी राशि प्रदान नहीं की गई।

पारधीपारा धमकी के अवैध महुआ शराब की छापामार कार्रवाई में 15 आरोपी गिरफ्तार

भारी मात्रा में उपकरण व सामग्री जत

कवर्धा (समय दर्शन)। जिले में अवैध शराब व मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत 8 मई को पारधीपारा धमकी की कार्यवाही में पुलिस ने 15 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफ्लता पाई है। वहीं भारी मात्रा में उपकरण व सामग्री भी जब्त किया है।

गोपनीय सूचना के आधार पर सुबह लगभग 6 बजे धमकी पारधीपारा में संदिग्ध मकानों की घेराबंदी कर एक साथ दबिश दी गई। मौके पर 15 आरोपी पुरुष व महिलाओं को अवैध रूप से महुआ शराब निर्माण संग्रहण एवं विक्रय में संलिप्त पाते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। इस दौरान आरोपियों के पास से कच्चा महुआ, तैयार महुआ शराब, प्लास्टिक ड्रम, एल्यूमीनियम बर्तन, पाइप, उबालने की भट्टियाँ तथा अन्य निर्माण संबंधी उपकरण बड़ी मात्रा में बरामद किया गया। जब्त की गई सामग्री एवं शराब का मूल्य आंकलन उपरांत विधिसम्मत कार्यवाही करते हुए आरोपियों के विरूद्ध मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया। यह अभियान पूरी तरह प्रभावी एवं पेशेवर ढंग से संचालित किया गया, जिससे ग्रामवासियों में भय अथवा अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न नहीं हुई एवं अवैध शराब निर्माण और बेचने वालों में हड़कंप मच गया।

एसडीओपी कवर्धा कृष्ण कुमार चंद्राकर ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में राकेश पिता राही लाल पारधी 30 साल, 2 गोकुल पिता कोमल लाल पारधी 19 साल, 3 दिनेश पिता बालाराम पारधी 35 साल, 4 कुमार लाल पिता स्व जोधराम पारधी 50 साल, 5 मुकेश कुमार पिता कुमार पारधी 19 साल, 6 राहुल पिता मनोज पारधी 19 साल, 7 अश्वनी पिता आजूराम पारधी 32 साल, 8 सरोतन पिता स्व जोधराम पारधी 35 साल, 9 अश्वन पिता संता लाल पारधी 25 साल, 10 पिन्टू पिता लाला राम पारधी 28 साल, 11 दिलीप पिता मीना लाल पारधी 24 साल 12 बिशाल पिता लाला राम पारधी 20 साल, 13 रोशन पिता अमर लाल पारधी 20 साल, 14 सोनू पिता रामानुज पारधी 20 साल सभी साकिन ग्राम धमकी थाना कवर्धा जिला कबीरधाम, 15 किशन पिता मोहन लाल 20 साल, साकिन लेंजवारा (बूचीडीह) थाना बेरला जिला बेमेतरा शामिल हैं।

संक्षिप्त-खबर

धनिया उखाड़ने गए युवक - युवती पर भालू ने किया हमला

बरमकेला (समय दर्शन)। जंगल जानें और जंगल से लगे क्षेत्र में किसी भी काम से आते जाते वक्त सावधान रहें । गर्मी के दिनो मे जंगली जीव भोजन और पानी की तलाश में जंगल से बाहर निकल ग्रामीण क्षेत्र , आबादी क्षेत्र पहुंच रहे हैं ।जिससे सावधान रहने की जरूरत है । सारंगढ़ जिला अंतर्गत गोमार्डा अभ्यारण बरमकेला के चांटीपाली बीट अंतर्गत रोहिनापाली जंगल किनारे भालू ने दो लोगों पर हमला कर दिया है । महेन्द्र बाघ पिता दुर्योधन बाघ 30 वर्ष ग्राम रोहिनापाली एवं पूजा सिदार पिता फुलसिंग सिदार 21 वर्ष ग्राम चनामुडा जो धनिया उखाड़ने खेत जा रहे थे तभी सुबह भालू ने हमला कर दिया। जिससे दोनों घायल हो गए सूचना मिलने पर तत्काल परिजनों ने बरमकेला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरमकेला में भर्ती कराया । महेन्द्र बाघ पिता दुर्योधन बाघ 30 वर्ष ग्राम रोहिनापाली को गंभीर जख्म लगने पर रायगढ़ रेफर कर दिया गया है। जैसे ही वन विभाग को सूचना मिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के वन मंडलाधिकारी श्रीमती पुष्पलता, अधीक्षक कृषाणु चंद्राकर, रेंजर सुरेन्द्र कुमार अजय के नेतृत्व में चांटी पाली वनपाल परिक्षेत्र सहा. हीरालाल नायक ने महेन्द्र बाघ पिता दुर्योधन बाघ ग्राम रोहिनापाली को 5000/- एवं पूजा सिदार पिता फुलसिंग सिदार ग्राम चनामुडा को 2000/- तत्काल सहायता राशि भुगतान किया गया । वन विभाग आमजन से अपिल कर रही है कि - हाथियों के साथ कई जंगली जीव विचरण करते हुए आबादी क्षेत्र की ओर आ जाते है सावधानी बरते , सर्तक रहे।

विहिप, बजरंग दल ने भारत के पराक्रम हेतु भारतीय सेना की सराहना, कहा-सैन्य पराक्रम अगली पीढ़ी हेतु प्रेरणास्पद

राजनांदगांव (समय दर्शन)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले जिसमें पर्यटकों के हिंदुओं को चिन्हांकित मारा गया था, जिसके जवाब एवं आत्मरक्षा में केंद्र सरकार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित भारतीय सेना की जवाबी कार्यवाही एवं ऑपरेशन सिंदूर की विहिप, बजरंग दल सराहना करता है। बजरंग दल विभाग सहसंयोजक सुनील सेन ने प्रेस नोट में बताया कि भारत के इस प्रतिउत्तर ने पूरे विश्व को बता दिया कि भारत किसी देश की दखल एवं हमले सहन नहीं करेगा, हमारा देश संस्कृतियों एवं परंपराओं का देश है, जहां अतिथि को भगवान की तरह पूजा जाता है, यदि इसकी संस्कृति एवं देशवासियों को कोई हानि पहुंचेगी, तो इसका जवाब भी उसी रूप में दिया जाएगा। हमारी आगामी पीढ़ी के लिए यह एक प्रेरणाजन्य है। देश के प्रत्येक सैनिकों के प्रति हम समस्त बजरंगी कृतज्ञता एवं प्रणाम करते है, जो ऐसी परिस्थितियों में हमारे देश को शत्रुओं से बचा रहे है। प्रभु श्रीराम जी से प्रार्थना करते है कि हमारे वीर सैनिक सुरक्षित और विजयी होकर घर लौटें। हिंदू समाज का आशीर्वाद एवं प्यार उन्हें सबसे कठिन समय में मजबूत और सुरक्षित रखेगा। हम अपनी मातृभूमि की सीमाओं पर उनके होने पर गर्व है और हम हमेशा अपने सैन्य बलों के ऋणी रहेंगे।

एनडीपीएस एक्ट के तहत जब्त किए गए मादक पदार्थों का बालको की भट्ठी में नष्टीकरण किया गया

कोरबा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार, जिला कोरबा में एनडीपीएस एक्ट के तहत जब्त किए गए मादक पदार्थों का विधिवत नष्टीकरण किया गया। यह कार्रवाई जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल समिति की निगरानी में 08 मई को बालको पावर प्लांट के भट्ठी में जलाकर एवं रोलर से दबाकर संपन्न हुई। समिति के अध्यक्ष पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, सदस्य अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतिश ठाकुर, जिला आबकारी अधिकारी आशा सिंह एवं क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी की उपस्थिति में यह कार्यवाही पूर्ण की गई।

यात्री बस की चपेट में आने से युवक की मौत, गुस्साए लोगों ने किया चक्काजाम

कवर्धा (समय दर्शन)। शहर के मिनीमाता चौक में तेज रफ्तार एक बस की चपेट में आने के कारण बुधवार को एक युवक की मृत्यु हो गई। मृतक की पहचान राहुल पाली पिता सुरेश पाली निवासी पाली पारा के रूप में हुई है। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने मुआवजा व अन्य मांगों को लेकर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मिलने सर्किट हाउस गए थे, लेकिन वहां मुलाकात नहीं होने के बाद लोगों ने चक्काजाम कर विरोध प्रदर्शन करने लगे।

दोपहर की तेज धूप और गर्मी के बाद भी मिनीमाता चौक में चक्काजाम के साथ विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बताया कि मृतक एक गरीब परिवार से था और वह प्राईव्हेट दुकान में काम करके अपने परिवार का पालन पोषण करता था। लेकिन उसकी मृत्यु के बाद अब परिवार में कोई नहीं है। अब परिवार के सामने रोजीरोटी की समस्या आ गई है। इसलिए मृतक के परिवार को मुआवजा व परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और वहां कुछ दूरी पर संचालित शराब दुकान को हटाने की मांग के साथ वे विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। घटना के समय वह दोपहर भोजन के बाद अपने काम में जा रहा था।

दो माह पहले भी हो चुकी हैं घटना

ज्ञात हो कि करीब दो महीने पहले भी इसी मोहल्ले में और भी वीभत्स घटनाएं हो चुकी हैं। लोगों ने बताया कि उक्त घटना में भी एक व्यक्ति की मृत्यु और एक घायल हुआ था। तब भी मोहल्ले वासियों ने इसी जगह पर विरोध प्रदर्शन करते हुए शराब दुकान को हटाने व मुआवजा की मांग की थी। लेकिन प्रशासनिक उदासीनता के चलते शराब दुकान आज भी अपने स्थान पर लोगों को नशा परोस रहा है, जिससे आज एक और जान चली गई तथा उनके आश्रितों के सामने रोजी रोटी की समस्या खड़ी हो गई है।

सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी लंबी कतारे लगी

राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 पर आक्रोशित लोगों ने तीन घंटे तक चक्काजाम लगाए रखा और पुलिस मूक दर्शक बनी रही। यात्री लगातार परेशान होते रहे। वहीं बिलासपुर, मंडला, जबलपुर की जाने वाली वाहनों के की रूट बदल दिया गया। इसके बावजूद सड़क की दोनों ओर भारी वाहनों की लंबी लंबी कतारें लग गई। मौके पहुंची पुलिस और प्रशासन के अफ्सरों ने शव का पीएम कराने के लिए अस्पताल भेजा और घंटो की घंटों की समझाईश के बाद शाम को चक्काजाम समाप्त हो सका।

शिक्षा विभाग में लंबे समय से अनुपस्थित 13 शिक्षक एवं कर्मचारियों पर की गई कार्रवाई

कोरबा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी निर्देशों के तहत, लंबे समय से बिना सूचना अनुपस्थित कर्मचारियों-अधिकारियों के विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। जिला कोरबा में विभागीय जांच उपरांत कुल 07 कर्मचारियों को जिला शिक्षा अधिकारी के द्वारा सेवा से पदच्युत किया गया है। ये सभी विभिन्न विकासखंडों के स्कूलों एवं कार्यालयों में कार्यरत थे।इसके साथ ही कलेक्टर कोरबा की अनुशंसा अनुसार 06 प्रकरणों में कार्रवाई हेतु उच्च कार्यालयों को भेजा गया है। इनमें तीन प्रकरण संयुक्त संचालक, शिक्षा संभाग बिलासपुर, दो लोक शिक्षण संचालनालय, नया रायपुर तथा एक जनपद पंचायत कोरबा को प्रेषित किए गए हैं।दो प्रकरणों में जांच लंबितहै। एक लापता शिक्षक और एक चिकित्सकीय प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने वाले कर्मचारी के संबंध में। कलेक्टर अजीत वसंत ने कहा कि अनुशासनहीनता को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह कार्रवाई सभी अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए चेतावनी और व्यवस्था को पारदर्शी बनाए रखने की दिशा में उठाया गया कदम है। छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग (नियम शाखा) द्वारा दिनांक 14.05.2024 को जारी परिपत्र क्र. एफ 3-1/2024/1-3 के तहत लम्बे समय से अनुपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय जांच उपरांत अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए थे।

उक्त निर्देशों के पालन में, जिला कोरबा के विकासखंड शिक्षा अधिकारियों से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर अनुपस्थित पाए गए अधिकारियों/कर्मचारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर विभागीय जांच संस्थित की गई थी। जांच उपरांत प्राप्त रिपोर्ट और कलेक्टर श्री अजीत वसंत के अनुमोदन के पश्चात इन अधिकारियों/कर्मचारियों को सेवा से पदच्युत किया गया।

मानव सेवा एवं आपदा प्रबंधन के मिसाल है रेड क्रॉस सोसाइटी के कार्य

बालोद (समय दर्शन)। रेड क्रास सोसायटी के संस्थापक जॉन हैनरी ड्यूनॉट के जन्मतिथि 8 मई के उपलक्ष्य में रेडक्रास दिवस के रुप में पूरे विश्व में रेडक्रास द्वारा उपलब्ध थीम मानवता के पक्ष में के अनुसार आयोजन किया जाता है इसी क्रम मे जिला स्तरीय कार्यक्रम जिला मुख्यालय के पुराना कलेक्ट्रेट नगर पालिका परिषद बालोद (ऑडिटोरियम) में किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधीश श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा अध्यक्ष जिला रेड क्रॉस सोसाइटी, कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला रेड क्रास समिति के चेयर मेन डॉक्टर प्रदीप जैन विशिष्ट अतिथि के क्रम में छत्तीसगढ़ राज्य रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमेन श्री तोमन साहू ,नगर पालिका परिषद बालोद के अध्यक्ष श्रीमती प्रतिभा चौधरी,श्रीमती सरस्वती टेमरिया अध्यक्ष जनपद पंचायत, कमलेश सोनी उपाध्यक्ष नगर पालिका परिषद

बालोद,सचिव डॉ एमके सूर्यवंशी,राजू पटेल संरक्षक सदस्य धर्मेंद्र साहू मंडल अध्यक्ष करहीभदर सहित जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत सदस्य भुनेश्वरी चंद्राकर भगवती उइके की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ।

> कार्यक्रय का प्रारंभ मां सरस्वती एवं रेडक्रास के संस्थापक हेनरी ड्यूनांट के तैल चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन पूजा अर्चना से की गयी , ततपश्चात स्कूली बच्चों के द्वारा रेडक्रास व स्वागत गीत हुआ। कार्यक्रम मे रंगोली, चित्रकला , प्राथमिक सहायता नाटक, व सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया। स्वागत भाषण में डॉ प्रदीप जैन ने कार्यक्रम के उद्देश्यों को प्रकाश डालते हुए कहा कि मानवता की सेवा धर्म स्वास्थ्य एवं शिक्षा इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है उसके बाद राज्य चेयरमैन तोमन साहु ने रेडक्रास की स्थापना के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विभिन्न आपातकालीन स्थिति जैसे युद्ध महामारी प्राकृतिक आपदा आदिके समय होने वाले सामाजिक एवं मानवीय क्षति में राहत पूर्ति हेतु इसकी स्थापना 1965 मेंहेनरी डू नॉट के द्वाराकिया गया था जिसे जन-जन तक पहुंचाना व प्रत्येक स्कूल व कालेज को रेडक्रॉस से जोड़ने की बात की। > कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के आसंदी से जिला रेड क्रॉस सोसाइटी के पदेन अध्यक्ष एवं जिलाधीश श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने कहा कि के बालोद जिला की भौगोलिक स्थिति के अनुसार जिला का अधिकांश क्षेत्र इस समय जल अभाव का सामना कर रहा है अतः सभी रेडक्रास वालेंटियर को जल संरक्षण, मानव सेवा, व सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में काम करने के लिए प्रेरित किया जाए एवं जिला के प्रत्येक नागरिक कोइस समस्या के निजात के लिए मां के नाम एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए ।

> कार्यक्रम में विभिन्न आयोजन महाविद्यालयीन व स्कूली विद्यार्थियों के द्वारा रेडक्रास उद्देश्य के तहत रंगोली चित्रकला ग्रीटिंग बनाना व प्राथमिक सहायता संबंधित नाटक व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें रेड क्रॉस के उद्देश्यों मानवता की सेवा रोड सुरक्षा आपदा प्रबंधन एवं स्वास्थ्य के आपातकालीन प्राथमिक चिकित्सा कार्डियक अटैक आने पर सीपीआर की जानकारी प्रस्तुत किया गया।

> रेड क्रॉस सोसाइटी के मानव सेवा भावना के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए जिला अस्पताल बालोद में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें लगभग दर्जन भर लोगों ने रक्तदान कर मानवता की सेवा का मिसाल प्रस्तुत किया जिसके प्रोत्साहन के लिए विभिन्न युवा संगठनों के द्वारा स्थापित रक्तदान समूह जिसमें भावना फाउंडेशन डौंडी लोहारा ,डीबी ग्रुप दल्ली राजहरा , भगत सिंह रक्तदान समूह बालोद, भामाशाह ब्लड डोनेशन समूह डौंडी लोहारा, रक्त वीर ग्रुप लिमोरा ,संत निरंकारी चैरिटेबल बालोद,महेश्वरी पंचायत रक्त समूह बालोद ,जैन युवा शक्ति बालोद समता युवा मंच बालोद ,रक्तदान ग्रुप गुरुर, चन्द्रशेखर आजाद रक्तवीर समुह बालोद को अतिथियों के कर कमल सेसम्मानित किया गया ।

> कार्यक्रम में जिला रोड रेड क्रॉस सोसाइटी के प्रबंध समिति के सदस्य दिनेश तापड़िया शरद ठाकुर श्रीमती कमला वर्मा आर एन देशमुख, चंद्रशेखर पवार जिला संगठक ऐनुका सार्वा, दिनेश साहू श्रीमती मधुमाला कौशल श्रीमती सीमा जामवंते संजय बंजारे रघुनंदन गंगबोईर, बी आर साहू रीमा सोरी कादंबिनी यादव अंचल प्रकाश साहू शरद ठाकुर दीनेस्वर साहू दुष्यंत शर्मा जिला के विभिन्न विद्यालयों महाविद्यालय नर्सिंग विद्यालय के रेडक्रॉस के विद्यार्थी एवं उनके प्रभारी शिक्षक की गरिमामयी उपस्थिति रही।

खबर-खास

गर्मी की छुट्टियों में समर कैंप में बच्चे सीख रहे बहुआयामी गतिविधियाँ

मुंगेली(समय दर्शन)। जिले के स्कूलों में गर्मी की छुट्टियों में समर कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार आयोजित इस अभिनव पहल में बच्चे बहुआयामी गतिविधियां सीख रहे हैं। इस समर कैम्प का उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के साथ ही बच्चों की छिपी प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें आत्मविश्वासी बनाने तथा नृत्य, संगीत, चित्रकला, योग, कराटे, रंगोली, पेंटिंग, हस्तकला, विज्ञान प्रयोग, ड्रामा और कंप्यूटर कोडिंग जैसी कई रोचक और बहुआयामी गतिविधियाँ सिखाना है। समर कैम्प के माध्यम से बच्चों को एक ऐसा मंच प्रदान किया जा रहा है, जहाँ वे सीखते हुए आनंद उठा सकें और बच्चों के संपूर्ण विकास को बढ़ावा मिले।

जिला शिक्षा अधिकारी सी. के. घृतलहरे ने बताया कि जिले के स्कूलों में 21 मई तक समर कैम्प का आयोजन किया जाएगा। समर कैम्प में बच्चों के लिए अलग-अलग दिन के लिए विधा निर्धारित की गई है। इनमें चित्रकारी, निबंध व कहानी लेखन, हस्तलिपि लेखन, नृत्य-नाटक के साथ ही मानव जीवन में वृक्षों का महत्व के बारे में बताया जाएगा। इसी तरह कबाड़ से जुगाड़ अंतर्गत विज्ञान आधारित मॉडल, स्वच्छता संबंधी कार्यक्रम व जल संरक्षण एवं संवर्धन के बारे में बताया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले के विभिन्न स्कूलों में समर कैम्प का आयोजन किया जा रहा है।

दसवीं बारहवीं बोर्ड परीक्षा परिणाम= दस पायदान की छलांग के साथ रैंक में हुआ जबरदस्त सुधार

सारंगढ़ (समय दर्शन)। छग माध्यमिक शिक्षा मंडल के द्वारा हाई /हायर सेकेण्डरी स्कूल 2025 के परीक्षा परिणाम की घोषणा कर दिया गया है ।जिले के बरमकेला विकासखंड के अंतर्गत मोना मॉर्डन विद्यालय के कक्षा दसवीं में अध्ययनरत सुरेंद्र कुमार डनसेना महज एक अंक से राज्य स्तरीय टॉप टेन की सूची में शामिल होने से चूक गए। इसी प्रकार राज्य स्तरीय जिलों की रैंक में डीईओ पटेल के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में इस बार दस पायदान की लंबी छलांग के साथ 22वें रैंक में स्थान बनाने में सफलता मिली है। दसवीं बारहवीं की मेरिट सूची में इस बार शासकीय विद्यालयों मे पढ़ाई करने वाले बच्चों ने परचम लहराया है।

नवीन आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन के संबंध में बैठक आयोजित

कोरबा (समय दर्शन)। कलेक्टर अजीत वसंत की अध्यक्षता में नवीन आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन के संबंध में कलेक्टर नवीन सभा कक्ष में बैठक आयोजित की गई। जिसमें सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धार्थ तिवारी, अपर कलेक्टर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जेल अधीक्षक, लीड बैंक मैनेजर एवं उपसंचालक अभियोजन, लोक अभियोजक, अतिरिक्त लोक अभियोजक बैठक में उपस्थित रहे ।बैठक में नवीन आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन के संबंध में कलेक्टर श्री वसंत द्वारा विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये गये:-

जिला कोरबा अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग में अन्य जिलों से स्थानांतरण पर आये डॉक्टर्स एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मचारियों को माननीय न्यायालय के अनुमति से वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से साक्ष्य के लिए उपस्थिति होने हेतु निर्देशित किया गया।

मनरेगा में मजदूरी के मानव दिवस बढ़ाने की मांग को लेकर राज्यपाल, मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

14 मई तक नहीं बढ़ाया तो 16 मई को ग्रामीणों के साथ बड़ा आंदोलन - राकेश ठाकुर

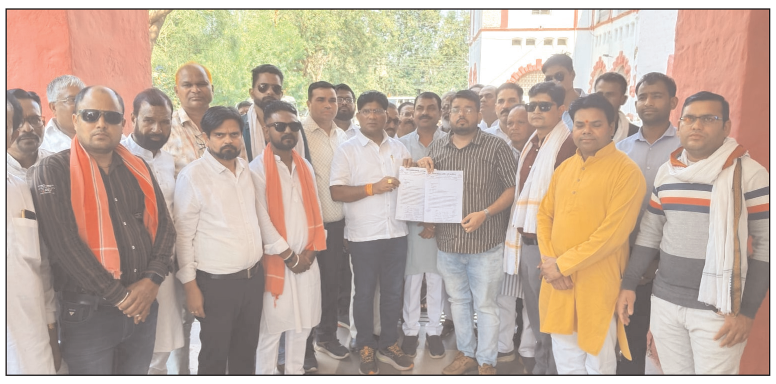

दुर्ग (समय दर्शन)। जिला ग्रामीण कांग्रेस के अध्यक्ष राकेश ठाकुर के नेतृत्व में जिले से आए कांग्रेस जनों ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंप कर मनरेगा में मजदूरी के मानव दिवस बढ़ाने की मांग की गई। कांग्रेस जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि पूर्व में कांग्रेस सरकार द्वारा मनरेगा में 42 लाख मानव दिवस सृजन का लक्ष्य किया था । लेकिन प्रदेश की भाजपा सरकार ने पिछले वर्ष इसे घटकर 32 लाख मानव दिवस कर दिया गया था । और वर्तमान वित्त वर्ष 2025 26 में इसे और घटकर 18 लाख मानव दिवस सृजन का लक्ष्य दिया गया है, जो कि केवल 35 प्रतिशत हो जाता है । जो ग्रामीण मजदूरों के आजीविका को प्रभावित करता है । जबकि जिले में सक्रिय मनरेगा मजदूरों की संख्या लगभग डेढ़ लाख है । इस कारण केवल दस हजार मजदूरों को मनरेगा के तहत चल रहे कार्यों में काम मिल रहा है। अन्य वर्षो की तुलना में इस समय 40 से 50000 मजदूर जिले में मनरेगा में कार्यरत होते थे । मनरेगा में कार्य कर मजदूरी से ग्रामीण खेती किसानी और अन्य कार्य करते थे । उनके आगे रोजगार का संकट हो रहा है , बेरोजगारी के चलते मजदूरों को घर परिवार छोड़कर अन्य राज्यों में रोजगार के लिए पलायन करना पड़ता है ।इस लिए मांग की जाती है 14 मई तक मनरेगा के मानवदिवस को 42 लाख किया जाए । अगर नहीं किया जाता तो जिले के ग्रामीण और किसान, मजदूर अपनी मजदूरी की सामग्री झौआ, टोकना, घमेला लेकर जिला कलेक्ट्रेट में 16 मई को बड़ा प्रदर्शन करेंगे । ज्ञापन देने वालों में पूर्व धमधा नगर पंचायत अध्यक्ष राजीव गुप्ता, जामवंत गजपाल, हीरा वर्मा, उषा सोनवानी, विक्रांत अग्रवाल, प्रकाश ठाकुर उमेश साहू विशाल देशमुख मन्नू यादव उमेश बंजारे कृष्ण देवांगन संतलाल बंजारे मुकेश साहू कलीम खान धरम बर्रे सुनीति यादव कमलेश साहू किशोर यादव लोकेश साहू रविंद्र यादव अभिनव वकील चांद खान उमाकांत चंद्राकर रज्जाक भाई ,प्रदीप चंद्राकर अलाउद्दीन, आनंद ताम्रकार, सौरभ ताम्रकार, मोहित वाल्दे , सहित अन्य कांग्रेसी उपस्थित थे ।

आगजनी की घटना सालर सब स्टेशन में भी घट सकती है?

ऑपरेटर समीर पटेल की सूझ बूझ से बड़ा हादसा टला

योगेश कुर्रे

सालर (समय दर्शन)। बंजारी 33/11 के. व्ही. सब स्टेशन में पिछले दिनों आग लगने की घटना जो घटी उससे विद्युत विभाग के अधिकारी कर्मचारी सबक नहीं लिया और लागातार लापरवाही अंजाम देते जा रहे हैं कल बंजारी जैसी घटना सालर 33/11के. व्ही. में भी घटी ट्रीप आने के कारण चिंगारी से आस पास में आग लग गई आग लगने के बाद ड्यूटी में उपस्थित ऑपरेटर समीर पटेल ने बालू का छिड़काव कर आग को काबू में किया जिसके कारण कल दोपहर में 12 बजे से 2 बजे तक पूरे क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति ठप्प थी आग में काबू तो पा लिया गया और उसके बाद ही विद्युत आपूर्ति सप्लाई चालू हुआ लेकिन विभाग के अधिकारी कर्मचारीयो में दूरगामी दृष्टि नजर नही आ रहा जहां सालार के सब स्टेशन खास फूस से भरा पडा है आगे कभी भी आगजनी या अप्रिय घटना घट सकती है लेकिन ध्यान नहीं?

इस बारे में पता करने पर जानकारी मिली कि 33के. व्ही. मेन बी सी डायरेक्ट है व 11के. व्ही. ए व्ही स्विच व सालर, फीडर झलमला फीडर भी डायरेक्ट होने के कारण और भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है ट्रीप होने पर पुनः चालू करने पर बहुत परेशानी होती है।

घास से भरा है सब स्टेशन सालर

33/11के. व्ही. सब स्टेशन सालर में घास व छोटे छोटे पेड़ो से ऑफिस भरा है संबंधित ठेकेदार द्वारा किसी भी प्रकार की कोई सफाई नहीं करवाया जाता है बरसात में कई जहरीले जीव जंतुके करेंट का भी डर बना रहता है इस संबध में अधिकारियों को अवगत कराया गया विभागीय अधिकारी का कहना है की आंधी तूफान व बारिश के कारण ए व्ही स्विच का काम नहीं हो पाया है 1सप्ताह तक कार्य हो जाएगा।

वी.इस. ठाकुर
सहायक अभियंता छ. ग. वि. म.
सारंगढ़ बिलाईगढ़

समाधान शिविरः परसाकापा के मनोज और मोहन को मिला पशुशेड स्वीकृति पत्र

मुंगेली(समय दर्शन)। पथरिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम अमोरा में आयोजित समाधान शिविर में ग्राम परसाकापा के मनोज कुमार और मोहन यादव सहित 07 हितग्राहियों को पशुशेड निर्माण हेतु स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया, जिससे उन्हें अपने मवेशियों के रख-रखाव में अब पर्याप्त सुविधा मिलेगी। जिले के प्रभारी मंत्री लखन लाल देवांगन, विधायक पुन्नूलाल मोहले, कलेक्टर कुन्दन कुमार एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभाकर पाण्डेय ने सभी हितग्राहियों को मंच पर स्वीकृति पत्र सौंपते हुए उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान मनोज कुमार ने बताया कि उन्होंने सुशासन तिहार के दौरान पशु शेड निर्माण हेतु आवेदन किया था। अब स्वीकृति मिलने से उनके मवेशियों को बरसात में सुरक्षित आश्रय मिलेगा।

मोहन यादव ने शासन की त्वरित पहल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बारिश के मौसम में उन्हें मवेशियों के लिए स्थायी व्यवस्था की अत्यंत आवश्यकता थी, जो अब पूरी हो गई है। दोनों लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व की सराहना करते हुए शासन-प्रशासन का आभार जताया। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री की पहल पर प्रदेश भर में सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है, जिसके प्रथम चरण में आमजन से आवेदन आमंत्रित किए गए थे। समाधान शिविरों के माध्यम से इन आवेदनों का सुनियोजित और गुणवत्तापूर्ण निराकरण कर लाभार्थियों को सीधे लाभ प्रदान किया जा रहा है। यह पहल न केवल ग्रामीणों की आवश्यकताओं की पूर्ति का माध्यम बन रही है, बल्कि जनसेवा के प्रति समर्पित शासन की परिकल्पना को भी साकार कर रही है।

// कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)।।

// ईश्तहार //

प्र.क्र. 202505100600007/
अ-2 वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्व आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्री बृजगोहन सिंह सिसोदिया पिता/पति श्री उत्तम सिंह सिसोदिया, निवासी वी.आई.पी. रोड रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.), के द्वारा ग्राम झीट, प.ह.न. 15, तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 49/2, 48/1 रकबा 0.0800, 0.3830 हे.. भूमि पर व्यवसायिक प्रयोजन में डायवर्सन कराने हेतु डायवर्सन किये जाने के लिये आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 172 के तहत प्रस्तुत किया है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को उजर दावा आपत्ति हो तो स्वयं या अपने अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से नियत दिनांक 21/05/2025 न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आवेदन में कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 09/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
मुहर पाटन, जिला दुर्ग

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, षिवनाथ मण्डल, दुर्ग (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(द्वितीय आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. **167922**/निविदा सूचना क्र. 01/वलेलि/2025-26, बालोद, दिनांक 08.05.2025

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक **26.05.2025 17:30** तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है:-

कार्य का नाम - **बालोद जिले के विकासखण्ड डौण्डी अंतर्गत सुरडोंगर स्टापडेम के फीडर नहर आर.डी. 0 मी. से 210 मी., 360 मी. से 600 मी. तक निर्माण एवं सी.सी. लाईनिंग कार्य, आर.डी. 210 मी. से 360 मी., आर.डी. 600 मी. से 1125 मी. तक ओपन चैनल निर्माण, 02 नग सुपर पैसेज एवं 02 नग ड्रेनेज सायफन निर्माण कार्य।**

अनुमानित लागत- रू. 128.57 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक **15.05.2025** समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

जी-252600760/3

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, बालोद (छ.ग.)

समाधान शिविरः नपा लोरमी 6 हितग्राहियों को सौंपी गई आवास की चाबी

राशन, श्रम व आयुष्मान कार्ड सहित विभिन्न योजनाओं से किया लाभान्वित

मुंगेली(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप शासन की योजनाओं को आमजनों तक समयबद्ध रूप से पहुंचाने के लिए सुशासन तिहार अंतर्गत समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में नगर पालिका लोरमी के स्वामी आत्मानंद स्कूल में शिविर का आयोजन किया गया।

अपर कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी श्रीमती मेनका प्रधान ने बताया कि शिविर में पीएम आवास योजना के तहत 06 हितग्राहियों को आवास की चाबी वितरण, 04 महिलाओं को सुपोषण किट, 03 को नोनी सुरक्षा योजना का प्रमाण पत्र, 06 हितग्राहियों को राशनकार्ड वितरण, 05 कृषकों को केसीसी चेक का वितरण, 07 हितग्राहियों को श्रम कार्ड, 03 हितग्राहियों को आयुष्मान वय वंदना कार्ड, 03 आवेदकों को लर्निंग लाईसेंस, 05 आवेदकों को पेंशन स्वीकृति प्रमाण पत्र और शिक्षा विभाग अंतर्गत 02 बच्चों को श्रवण यंत्र प्रदान कर लाभान्वित किया गया। इसके साथ ही कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर गगन राजपूत, प्रभात ध्रुव और अनुराग लोनिया को सम्मानित किया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर आवेदनों के निराकरण के साथ ही जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी दी गई।

मनप्रीत कौर ने सिपकोना का मान बढ़ाया

पाटन (समय दर्शन)। सिपकोना के कक्षा 10 वीं के छात्रा मनप्रीत कौर का रिजल्ट शत प्रतिशत रहा मनप्रीत कौर ने कक्षा 10 में 94 प्रतिशत अंको के साथ कीर्तिमान स्थापित किया जो की बहुत ही सराहनीय है। मनप्रीत कौर को शिक्षाविद एवं उपसरपंच संतोष कुम्भकार एवं जनपद प्रतिनिधि विष्णु निषाद ने उनके घर पहुँच कर इस उपलब्धी पर मिठाई खिलाकर बधाई दिये मनप्रीत कौर आगे कामर्स लेकर सीए बनना चाहती हैं। जनप्रतिनिधियों नें उतीर्ण होने वाले सभी छात्र -छात्राओं को बधाई दिये।

आईआरईएल (इंडिया) लिमिटेड
IREL (INDIA) Limited
(A Govt. Of India Undertaking- Department of Atomic Energy)
Manavalakurchi, TamilNadu, E-mail: purchase-mk@irel.co.in
An ISO 9001, 14001 & 45001 Unit, Phone: 04651-200402
CIN: U15100MH1950GOI008187

Ref: MK/P. ADVT/2025--26/01

निविदा सूचना TENDER NOTICE

IREL Manavalakurchi Unit invited tender for the following:

Tender No.	Description
GEM/2025/B/6186960	Supply of Liquefied Petroleum Gas (LPG) filled in cylinders of 400-450 kgs capacity
IREL/MK/ET/01/2526	Reconstruction of various Godown and store yard in MK Plant

Bidder may download the tender document from https://gem.gov.in, https://www.irel.co.in and CPP Portal.

Any corrigendum/ extension to above tender shall be hosted in above websites only.

CGM & Head, MK/ मुख्य महा प्रबंधक एवं प्रधान, एमके

cbc48147/12/0002/2526

सीएम साय नन्हें बच्चों के साथ बिताया समय, उन्हें दुलारा और टॉफियां भी बांटी

बच्चा - बच्चा जानता है पीएम और सीएम का नाम

मुख्यमंत्री ने समाधान शिविर के दौरान आंगनबाड़ी का किया औचक निरीक्षण

गरियाबंद (समय दर्शन)। बच्चा - बच्चा जानता है हमारे प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का नाम। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के लोकप्रियता की बानगी तब दिखी जब मुख्यमंत्री विष्णु देव साय गरियाबंद जिले के मड़ेली में आयोजित समाधान शिविर के दौरान आज अचानक आंगनबाड़ी निरीक्षण करने पहुंचे।उन्होंने बच्चों से पूछा आप जानते हैं हमारे देश के प्रधानमंत्री कौन हैं,सभी ने कहा कि नरेंद्र मोदी।प्रदेश के मुख्यमंत्री का नाम पूछने पर उन्होंने श्री साय का नाम लिया।मुख्यमंत्री ने इस दौरान नौनिहालों के साथ समय बिताया,उन्हें दुलारा और चॉकलेट भी बांटे।मुख्यमंत्री का नन्ही बालिकाओं ने माथे पर तिलक लगाकर स्वागत किया।छोटे बच्चों के स्वागत से मुख्यमंत्री भाव विभोर हो गए और उन्हें आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि हमारी सरकार बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने और संवारने के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। श्री साय ने अधिकारियों से कहा कि पूरे प्रदेश में आंगनबाड़ियों के माध्यम से संचालित योजनाओं का लाभ हमारे नौनिहालों मिले यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों को अच्छे पोषण आहार के साथ साथ सुंदर परिवेश भी उपलब्ध कराना होगा ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो। हमारे बच्चों की परवरिश जितनी अच्छी होगी, हमारे देश के भविष्य की नींव उतनी अधिक मजबूत, सुरक्षित और समृद्ध होगा। उन्होंने आंगनबाड़ियों में गर्भवती माता तथा बच्चों को दिए जाने वाले पूरक पोषण आहार और अन्य गतिविधियों के बारे में भी जानकारी ली।इस दौरान मड़ेली आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 3 की कार्यकर्ता उर्वशी नंदे ने बताया कि 15 बच्चे नियमित रूप से आंगनबाड़ी आते है और प्रतिदिन मेनू अनुसार उन्हें नाश्ता और भोजन दिया जा रहा है।

संक्षिप्त-खबर

प्रदेश में मेरिट में 9वाँ स्थान हासिल कर पाहंदा की बेटी नूतन ने बढ़ाया है पूरे पाटन क्षेत्र का मान - प्रणव शर्मा

पाटन (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के कक्षा दसवीं के परिणाम में शासकीय स्कूल पाहंदा (अ) की होनहार छात्रा कु. नूतन वर्मा ने 97.83त्न अंक प्राप्त कर पूरे छत्तीसगढ़ राज्य में नवां स्थान हासिल किया है। यह खबर प्राप्त होते ही पूरे क्षेत्र में खुशी देखी जा रही है। इसी क्रम में जनपद पंचायत पाटन के सभापति, शिक्षाविद प्रणव शर्मा ने भी बेटी नूतन वर्मा एवं पूरे परिवार को मिठाई खिलाकर बधाई दी।

सभापति प्रणव शर्मा ने नूतन वर्मा के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए, उसे पाटन क्षेत्र को गौरवान्वित करने के लिए शाबाशी दी और आने वाले समय में इस बेटी से प्रेरणा लेकर और भी विद्यार्थी मेरिट में स्थान बनाएंगे यह उम्मीद भी जताई। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा जारी बोर्ड के परीक्षा परिणामों में इस बार भी प्रदेश की बेटियों का दबदबा रहा है।

देवरबीजा के मोहेन्द्र साहू स्कूल के बने टॉपर

साजा (समय दर्शन)। छग शिक्षा मंडल रायपुर

द्वारा बुधवार दोपहर 3 बजे शिक्षा सत्र 2024-25 का हाईस्कूल व हायर सेकेण्डरी स्कूल का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। सरस्वती ज्ञान मंदिर हाईस्कूल देवरबीजा के कक्षा दसवीं बोर्ड परीक्षा में शामिल सभी विद्यार्थी अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हुए। प्रथम श्रेणी से 05 विद्यार्थी एवं द्वितीय श्रेणी से 05 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। मोहेन्द्र साहू पिता भारत साहू ने 85 प्रतिशत प्राप्त कर संस्था एवं अपने परिवार का नाम रोशन कर दिखाया। परीक्षा परिणाम आने के बाद स्वयं प्राचार्य मोहेन्द्र साहू के गृहग्राम पहुंचे एवं मुंह मीठा कर बधाई दी। संस्था के प्राचार्य पुष्पराज सेन एवं शिक्षक- शिक्षिकाओं ने सभी छात्रों को बधाई प्रेषित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामनाएं की ।

नेशनल लोक अदालत की सुनवाई 10 को

दुर्ग (समय दर्शन)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छ.ग.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशानुसार वर्ष 2025 की द्वितीय नेशनल लोक अदालत जिला न्यायालय दुर्ग, परिवार न्यायालय दुर्ग, श्रम न्यायालय दुर्ग, स्थायी लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाए) दुर्ग तथा किशोर न्याय बोर्ड व तहसील व्यवहार न्यायालय पाटन, भिलाई-3 व धमधा में 10 मई 2025 को आयोजित की गई है। नेशनल लोक अदालत में आपसी राजीनामा योग्य आपराधिक मामलें, सिविल मामलें, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण से संबंधित मामलें, परिवार न्यायालय में पारिवारिक विवाद के प्रकरण, श्रम न्यायालय के प्रकरण, स्थायी लोक अदालत में जनोपयोगी सेवा से संबंधित प्रकरण व राजस्व से संबंधित लगभग 15637 मामले एवं बैंक वित्तीय संस्था/विद्युत/दूरसंचार एवं नगर निगम के बकाया राशि के संबंध में संबंधित विभाग द्वारा न्यायालय में प्रकरण प्रस्तुत किये जाने के पूर्व प्री-लिटिगेशन प्रकरण के कुल 88969 से अधिक मामलें सुनवाई हेतु रखे गये है। वहीं संबंधित चिन्हांकित व रखे गये मामलों के नेशनल लोक अदालत की तिथि में अधिकाधिक संख्या में निराकरण किये जाने न्यायालय के पीठासीन अधिकारीगण द्वारा नियमित रूप से पक्षकारों के मध्य प्री-सीटिंग/बैठक का आयोजन अधिक संख्या में किये जा रहे है। जिससे 10 मई 2025 को आयोजित नेशनल लोक अदालत में अधिकाधिक संख्या में प्रकरण निराकृत होने की संभावना है। आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में चिन्हांकित कर रखे गये मामलों की सुनवाई हेतु जिला न्यायालय दुर्ग परिवार न्यायालय दुर्ग, व्यवहार न्यायालय तहसील पाटन, भिलाई-3 तथा धमधा एवं किशोर न्याय बोर्ड, जनोपयोगी सेवा से संबंधित स्थायी लोक अदालत (जनो.से.) तथा श्रम न्यायालय के कुल 29 खण्डपीठ का गठन माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग के निर्देशानुसार गठित की गई है। संबंधित गठित खण्डपीठ में नेशनल लोक अदालत की तिथि में प्रकरणों की सुनवाई/ निराकरण पक्षकारों के मध्य सौहाद्रपूर्ण वातावरण में आपसी सहमति / राजीनामा के आधार पर किये जायेंगे। नेशनल लोक अदालत में आपसी राजीनामा के आधार पर अपने मामलों के निराकरण हेतु पक्षकार अधिक से अधिक संख्या में संबंधित गठित खण्डपीठ / न्यायालय में उपस्थित रहें और लोक अदालत के माध्यम से अपने मामलों का निराकरण कर समय एवं अन्य कठिनाइयों से बचे क्योंकि नेशनल लोक अदालत में प्रकरण के सौहाद्रपूर्ण वातावरण में पक्षकारों के मध्य विवाद का निपटारा आपसी सहमति / राजीनामा से होने के कारण उक्त निराकृत मामलों की अपील भी नहीं होती।

समस्याओं को लेकर भटकना न पड़े इसलिए सुशासन तिहार - विधायक ललित

शिविर में शिकायत कम मांग ज्यादा

रिसाली(समय दर्शन)। सुविधाओं और समस्याओं को लेकर नागरिकों को भटकना न पड़े इसलिए प्रदेश सरकार सुशासन तिहार शिविर का आयोजन निकाय स्तर पर कर रही है। उक्त बाते दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर वार्ड 18 रिसाली के सुशासन शिविर में कही। उन्होंने शिविर में न केवल कुपोषित बच्चों के लिए किट का वितरण किया, बल्कि नए राशन कार्ड भी हितग्राहियों को सौंपा। शिविर में नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि आमतौर पर समस्या और मांग के निराकरण के लिए नागरिकों को कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ता है। नागरिकों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। आम जनता को उनके वार्ड में ही रहते समस्याओं का निराकरण हो ऐसी व्यवस्था प्रदेश सरकार ने की है। निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने पहले शिविर के बारे में विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराई। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, पार्षद गजेन्द्री कोठारी, ममता सिन्हा, चन्द्र प्रकाश सिंह, रेखा देवी, सोनिया देवांगन, चन्द्रभान ठाकुर, विनय नेताम, मण्डल अध्यक्ष राजू जंघेल समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। जिला प्रशासन की ओर से अपर कलेक्टर बिरेन्द्र सिंह व तहसीलदार प्रफूल्ल गुप्ता मौजूद रहे। दुर्ग ग्रामीण विधायक ने चित्रांश यादव, कृतिका साहू, चैतन्य व रिया साहू को सुपोषण किट भेंट किया। वहीं आयुक्त व महिला पार्षदों ने विधायक की उपस्थिति में चमेली, गोरे, आरती साहू, खुशबू निषाद, शिवानी चंद्राकर की गोद भराई की।

सुशासन तिहार : मुख्यमंत्री ने दी 45 साल से अधूरी पड़ी पिपरछेड़ी सिंचाई परियोजना को पूरा करने की मंजूरी

मडेली में मुयमंत्री की एक और घोषणा, लोगों ने ज़िंदाबाद कर जताया आभार

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के सुदूर मड़ेली और आसपास के 10 से अधिक गांवों के निवासियों का 45 साल का इंतज़ार आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ख़त्म कर दिया।मुख्यमंत्री ने आज मड़ेली के सुशासन समाधान शिविर में इलाक़े की 45 साल से अधूरी पड़ी पीपरछेड़ी सिंचाई परियोजना को पूरा करने की मंज़ूरी दे दी।इस योजना को पूरा करने के लिए क्षेत्र के किसानों ने सुशासन तिहार के दौरान आवेदन दिया था और आज मुख्यमंत्री के मडेली पहुंचने पर समक्ष में भी उनसे इसकी स्वीकृति की मांग की। मुख्यमंत्री ने लोगों की भावनाओं और इलाके के विकास के लिए इस योजना को पूरा करने की स्वीकृति दी।मीडिया से बात करते हुए जब श्री साय ने इसकी घोषणा की तो उपस्थित लोगों ने ख़ुशी जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री जिंदाबाद के नारे लगाए और श्री साय का आभार व्यक्त किया।गौरतलब है कि गरियाबंद जिले (तत्कालीन रायपुर जिला) के पीपरछेड़ी गांव में घुनघुट्टी नाला पर बांध बनाकर पानी रोकने और किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने की योजना 1977 में शुरू हुई थी।परंतु 1980 में वन अधिनियम लागू होने के बाद तत्कालीन समय में वन एवं पर्यावरणीय अनुमति नहीं मिलने के कारण इसका काम 1980 में बंद कर दिया गया था।तब से यह परियोजना अधूरी पड़ी थी।तत्कालीन कई सरकारें आई पर इसके लिए वन और पर्यावरणीय अनुमति पर किसी ने ध्यान नहीं दिया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इसपर ध्यान केंद्रित किया और परियोजना की पर्यावरणीय अनुमति के लिए केंद्र सरकार स्तर पर प्रयास शुरू किए।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने इस परियोजना के महत्व को समझ कर इसको पूरा करने के लिए वन और पर्यावरणीय स्वीकृति दे दी । और इस परियोजना का काम पूरा होने का रास्ता खुल गया।इस परियोजना में नहर प्रणाली का लगभग 85 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। बनाई जाने वाली सात माइनर और दो सब माइनर नहरें बनकर तैयार है और 114 विभिन्न संरचनाओं का काम भी पूरा हो गया है।इसी तरह घुनघुट्टी नाले पर भी बांध का निर्माण कार्य आधा हो चुका है। इस परियोजना के कैचमेंट एरिया में 175 हेक्टेयर वन भूमि आएगी।परियोजना के पूरा होने पर क्षेत्र के लगभग 10 गाँवों के पाँच हज़ार किसानों को 1560 हेक्टेयर (लगभग चार हज़ार एकड़) रकबे में लगी फ़सलों के लिए सिंचाई का पानी मिल सकेगा।सरकार ने इसके कामों को पूरा करने के लिए अब 85 करोड़ रुपए मंजूर किए है ।

बूटस्ट्रैप कार्यक्रम निर्यात जागरूकता एवं मार्गदर्शन के संबंध में कार्यशाला संपन्न

दुर्ग (समय दर्शन)। जिले में एक दिवसीय जिला स्तरीय बूटस्ट्रैप कार्यक्रम निर्यात जागरूकता एवं मार्गदर्शन के संबंध में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र दुर्ग एवं एक्सपोर्ट काउंसिल के सौजन्य से 09 मई 2025 को होटल अमित पार्क इंटरनेशनल में कार्यशाला आयोजित किया गया। कार्यशाला में भारत सरकार के द्वारा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए भारतीय विदेश व्यापार संस्थान निर्यातकों और उद्यमियों को नवीनतम निर्यात आयात नीतियों और प्रक्रियाओं के बारे में जागरूक करने के लिए उद्यमियों और निर्यातों के लिए निर्यात प्रक्रियाओं और दस्तावेज उद्यमियों के लिए विषय पर आयोजित किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य निर्यातकों और उद्यमियों को विदेशी बाजारों में अपने व्यापार को बढ़ाने और विकसित करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करना है। इस कार्यशाला में निर्यात परिदृश्य से संबंधित जिलों पर आधारित उत्पादों और संभावनाएं, उत्पादों और विदेशी बाजार के लिए निर्यात , निर्यात संवर्धन , प्रशिक्षण,निर्यात के समर्थन, संगठनात्मक संरचना और कार्य , वैश्विक आर्थिक और व्यापार स्थिति,प्रलेखन,निर्यात के समर्थन प्रक्रिया के अलावा निर्यात के लिए उत्पादों और बाजारों की पहचान तथा निर्यात के लिए आवश्यक दस्तावेजीकरण के बारे में आई.आई.एफटी. कोलकाता के विशेषज्ञ टीम के डॉ.के.रंगराजन प्रोफेसर एंव केन्द्राध्यक्ष कोलकाता कैंपस, संस्थापक एमएसएमई अघ्ययन केन्द्र, सुश्री सुमना दास, समन्वयक निर्यात सुविधा केन्द्र, के द्वारा उद्यमियों को मार्गदर्शन दिया गया। इस कार्यक्रम में उद्यमियों को निर्यात के प्रति सकरात्मक रूप से प्रभावित किया और प्रेरित किया।

छत्तीसगढ़ शासन के मंशानुरूप राज्य की नवीन औद्योगिक विकास नीति 2024-30 तक अधिक से अधिक लाभ प्राप्त कर क्षेत्र के नवीन उद्योगों को स्थापना एंव विद्यमान उद्योगों को विस्तार किया जा सके, नए औद्योगिक नीति के लाभ लेने क्षेत्र के उद्यमी न केवल अपने उत्पादों के विक्रय को बढ़ावा बल्कि केन्द्र सरकार के उत्पादों को विश्व पटल पर बढ़ाते हुए निर्यात को अग्रसर हो, जिससे की राज्य व क्षेत्र के उत्पादों को उचित मूल्य मिल सके।

इस अवसर पर भारतीय विदेश व्यापार संगठन के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग विभाग के महाप्रबंधक पी.आर. खण्डेलवाल, राकेश चौरसिया, प्रबंधक तुषार त्रिपाठी, संजय सिंह, औद्योगिक संगठनों से अजय भसीन प्रदेश महामंत्री छ.ग. चेम्बर आफ कामर्स, ई.ई.पी.सी. से अंकित मेहता, उद्योग चेम्बर से जे.पी. गुप्ता, करमजीत सिंह बेदी, म्यूरा इंफ्रास्ट्रक्चर से श्री सुधाकर व अन्य उद्योगपति उपस्थित थे।

उपादान की राशि की समीक्षा कर कर्मचारियो को उपादान राशि 15 दिन में देने निर्देश

वित्त लेखा एवं अंकेक्षण विभाग प्रभारी नरेंद्र बंजारे ने ली समिति सदस्यों के साथ बैठक

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम महापौर श्रीमती अलका बाघमार के मार्गदर्शन में वित्त लेखा व अंकेक्षण विभाग प्रभारी नरेंद्र बंजारे ने अपने एमआईसी भवन के कक्ष में विभाग समिति की बैठक में आज प्रभारी ने कहा कि दुर्ग शहर के विभिन्न निज तालाबो स्वामित्व के समिति का गठन किये जाने का विचार किया गया।

प्रभारी नरेंद्र बंजारे ने समिति के सदस्यों व अधिकारियों के साथ प्रभारी श्री बंजारे ने उपादान की राशि की समीक्षा कर अधिकारियों से कहा की उपादान राशि को लेकर सूची का अवलोकन किये। उन्होंने सूची जांच करने के बाद अधिकारी से कहाँ सूची अंतर्गत जितने भी नाम दर्ज है सभी को 15 दिन के भीतर उपादान की राशि किस्तों में भुगतान करें। साथ ही उन्होंने डिटिजल रिकार्ड हेतु भी कहा।उन्होंने बैठक में निगम समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया जाता है कि बजट से संबंधित अपना दस्तावेज लेखा/वित्त में जमा करे।

समीक्षा बैठक के मौके पर देवनारायण तांडी, विजयंत पटेल,मनीष बघेल, संजय अग्रवाल,अब्दुल खालिक, श्रीमति सावित्री देवी दमोहे, मनोज सोनी, साजन जोसेफ,श्रीमति हिरोंदी नंदनिया, लेखाधिकारी रमाकांत शर्मा, योगेंद्र वर्मा सहित अन्य मौजुद रहे।

मुयमंत्री के नेतृत्व में गांव-गांव पहुंच रहा समाधान शिविर- विधायक ललित चंद्राकर

जनता को समर्पित है समाधान शिविर, 14 गांवों में मिल रहा सीधा लाभ

जल संरक्षण और बाल विवाह रोकथाम की दिलाई शपथ

दुर्ग (समय दर्शन)। सुशासन तिहार के अंतर्गत तीसरे चरण का समाधान शिविर जनपद पंचायत दुर्ग के ग्रामीण क्षेत्र में स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला मचांदुर में आयोजित किया गया। यह शिविर 30 मई तक नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य जनता की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण करना है।

सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित समाधान शिविर में ग्रामीण विधायक श्री ललित चंद्राकर ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार ने जो वादा किया था, उसे पूरा कर दिखाया है। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के 14 गांवों के लिए समाधान शिविर लगाया गया है, जहां आम जनता की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। विधायक श्री चंद्राकर ने कहा कि हमारी सरकार जनता के द्वार पर पहुंच रही है और उनकी समस्याओं का समाधान वहीं कर रही है। सरकार की नीतियां पूरी तरह से ग्रामीण और गरीब वर्ग के हित में हैं। उन्होंने बताया कि किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान का समर्थन मूल्य दिया गया है और प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान की खरीदी की गई है। उन्होंने महतारी वंदन योजना का जिक्र करते हुए बताया कि इसके तहत प्रदेश की महिलाओं को हर महीने को एक हजार की आर्थिक सहायता सीधे उनके खातों में दी जा रही है। यह सब मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के कारण संभव हो पाया है। विधायक ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिल रहा है। साथ ही ग्रामीण भूमिहीन श्रमिकों को सालाना 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के अंतर्गत चल रहे सर्वे का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पात्रता के आधार पर सभी को आवास उपलब्ध कराया जाएगा, कोई भी गरीब अब मकान से वंचित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर जनता को समर्पित है। विधायक श्री चंद्राकर ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय 5 मई से गांव-गांव का दौरा कर रहे हैं और जनता से सीधे संवाद कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने एकेच गोठ, एकेच बानी बूंद-बूंद बचाबो पानी थीम के तहत जल संरक्षण और बाल विवाह की रोकथाम को लेकर उपस्थित लोगों को शपथ भी दिलाई।

जिला पंचायत सीईओ श्री बजरंग दुबे ने बताया कि 8 से 11 मई तक जनप्रतिनिधियों और विभागीय अधिकारियों के माध्यम से आम जनता से आवेदन लिए गए, जिसका निराकरण कर विभागीय अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभाग में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की जानकारी मंच से अवगत कराया जा रहा है। आवेदन ऑनलाईन एवं ऑफलाईन दोनों माध्यमों से प्राप्त की गई थी। साथ ही प्रधानमंत्री आवास के लिए सर्वे का कार्य किया जा रहा है। अभी तक 92 हजार का सर्वे कराया जा चुका है। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत मचांदुर के अंतर्गत बोरीगरका, चिरपोटी, डूमरडीह, घूघसीडीह, पाउवारा, कोड़िया, कोकड़ी, हनोदा, पुरई, खोपती, उमरपोटी, कातरो, करगाडीह से कुल 12260 आवेदन प्राप्त हुए।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2021-23